शुभ नववर्ष
2024

मैं मंगल कामना करता हूं कि नूतन वर्ष प्रदेशवासियों के जीवन में ढेर सारी खुशियां लाए। नए उत्साह और उमंग के साथ हम *"विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़"* के संकल्प को साकार करने के लिए मिलकर कदम बढ़ाएं और प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएं।

श्री विष्णुदेव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

सबका साथ
सबका विकास

सबका विश्वास
और सबका प्रयास

/CMOChhattisgarh

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

द फोर्थ मिरर

रायपुर, वर्षः 02 | अंकः 12, दिसंबर-2023 | TITLE CODE: CHHHIN-17397 | पृष्ठः 40 | मूल्यः 30 रुपए

विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ की कमान

'साय मंत्रिमंडल के नौ रत्न'

बृजमोहन अग्रवाल | रामविचार नेताम | केदार कश्यप | ओपी चौधरी | दयालदास बघेल | श्याम बिहारी | लक्ष्मी राजवाड़े | टंकराम वर्मा | लखन देवांगन

@RajveerCreations

द फोर्थ मिरर

www.thefourthmirror.com

THE FOURTH MIRROR
www.thefourthmirror.com
सच का प्रतिबिम्ब...

TITLE CODE
CHHHIN17397

रायपुर । दिसंबर- 2023
वर्ष : 02 । अंक - 12
पृष्ठ : 40 । मूल्य - 30 रुपए

संपादक
गणेशराम सोनकर
मो.नं.- 9302654437
प्रबंध संपादक
विकास यादव
मो.नं.- 9425528000
सह संपादक
अतीक जैदी

प्रदेश प्रतिनिधि
हितेश बंसोड़े

thefourtmirror@gmail.com

स्वत्वधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक गणेशराम सोनकर के लिए रामा ऑफसेट, शिवम मशीनरी टूल्स के पीछे, रिंग रोड नं.-02, सोनडोंगरी, रायपुर से मुद्रित कराकर **'द फोर्थ मिरर'** हिंदी मासिक पत्रिका का **कार्यालय :** पुराना जयस्तंभ चौक, शितलापारा रायपुरा, रायपुर, छत्तीसगढ़ (पिन-492013)

पहली कैबिनेट में 18 लाख आवास मंजूर, मोदी की गारंटी पर काम शुरू

द फोर्थ मिरर

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय कैबिनेट की पहली बैठक राज्य के आवासहीनों को समर्पित रही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कैबिनेट की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में जानकारी दी कि कल सरकार गठित हुई है और मंत्रिमंडल की पहली बैठक में राज्य के आवासहीनों के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवास निर्माण को मंजूरी दे दी गई है।

मिनी गोवा के नाम से है मशहूर छत्तीसगढ़ का सतरेंगा

नए साल को यादगार बनाने अगर आपका गोवा जाने का प्लान है तो कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं है. छत्तीसगढ़ में रहकर ही मिनी गोवा का एहसास कर सकते हैं. कोरबा शहर से करीब 45 किमी की दूरी पर स्थित सतरेंगा पिकनिक स्पॉट आपको गोवा वाली मस्ती और सुकून देता है. .....

पेज-07

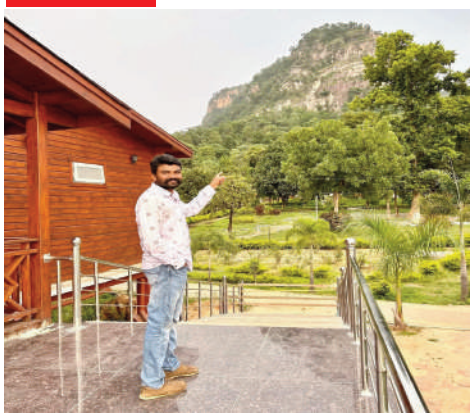

बंदूकों के साए में हो रही हसदेव जंगल की कटाई

छत्तीसगढ़ में भाजपा की तथाकथित डबल इंजन की सरकार बनते ही हसदेव अरण्य क्षेत्र में जंगल की कटाई अचानक तेज गति से शुरू हो गई है। आदिवासी मुख्यमंत्री और आदिवासी अधिकारों का ढोंग करने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का असली चेहरा स्पष्टतौर पर सामने आ चुका है.....

पेज-17

विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के चौथे मुख्यमंत्री बने

डॉ रमन सिंह होंगे विधानसभा अध्यक्ष, 2 डिप्टी सीएम के लिए अरुण साव और विजय शर्मा का नाम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा कर दी गई है। राज्य का नया सीएम विष्णुदेव को बनाया गया है। रविवार को विधायक दल का नेता चुनने के लिए भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित 54 विधायकों की अहम बैठक हुई। इस बैठक के बाद राज्य के अगले मुख्यमंत्री को लेकर अनिश्चितता की स्थिति खत्म हो गई। भाजपा ने पिछले महीने विधानसभा चुनाव से पहले अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा नहीं की थी, जिसके कारण इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि मुख्यमंत्री कौन होगा होगा। चुनाव परिणाम आने के बाद से ही विष्णुदेव साय का नाम आगे चल रहा था। यह भी माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 में आदिवासियों को साधने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने विष्णु देव साय को मुख्यमंत्री के रूप में चुना है। पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी, दूसरे डा. रमन सिंह, तीसरे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल थे।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 90 में से 54 सीट जीती हैं। वहीं 2018 में 68 सीट जीतने वाली कांग्रेस 35 सीट पर सिमट गई है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) एक सीट जीतने में कामयाब रही।

कैसा रहा जीवन का सफर?

विष्णु देव साय का जन्म छत्तीसगढ़ राज्य में जशपुर जिले के

प्रदेश के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री बने विष्णुदेव साय

बगिया गाँव के किसान परिवार राम प्रसाद साई और जशमनी देवी के घर 21 फरवरी 1964 को हुआ था। उन्होंने अपनी उच्च माध्यमिक शिक्षा लोयोला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुनकुरी, जशपुर, छत्तीसगढ़ में प्राप्त की। उन्होंने 1991 में कौशल्या देवी से शादी की और उनके एक बेटा और दो बेटियां हैं। पेशे से एक किसान से राजनीतिज्ञ बने विष्णु देव, भारत की लोकसभा में 4 बार सांसद रहने साथ इससे पहले दो बार विधायक रहे । भारत सरकार के इस्पात और खान राज्य मंत्री भी रह चुके हैं ।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी 2 वर्ष से ज्यादा तक कार्य करने के बाद पार्टी ने उन्हें सरगुजा की जिम्मेदारी सौंप दी और सरगुजा में एक्टिव होने के लिए भेज दिया । सरगुजा में विष्णुदेव साय ने खूब मेहनत की और सरगुजा की 14 में से 14 सीट भारतीय जनता पार्टी के झोली में लाया, जिसका फायदा उन्हें मिला और पार्टी ने उन्हें अगले मुख्यमंत्री के रूप में चुना है।

नए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कुछ मंत्री 14 दिसंबर को शपथ ले सकते हैं। मुख्यमंत्री चुनने के लिए तीनों पर्यवेक्षक सुबह 9 बजे रायपुर पहुंच गए थे। इसके बाद करीब दोपहर 11 बजे प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, तीनों पर्यक्षेक व अन्य वरिष्ठ नेताओं की एक अनौपचारिक बैठक हुई। इन सब के बीच विधायक धीरे-धीरे करके पहुंचे रहे। सबसे आ खिर में दोपहर 2 बजे पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह पहुंचे। इसके बाद दोपहर करीब 3 बजे भाजपा विधायक दल की बैठक हुई। इस बीच दिल्ली से भी लगातार फोन आते रहे। पर्यवेक्षकों ने मुख्यमंत्री के नाम को विधायकों के सामने रखा। रायशुमारी करने के बाद सभी विधायक ने एक नाम पर अपनी मुहर लगा दी।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे। वह प्रदेश के पहले निर्विवादित आदिवासी सीएम का चेहरा हैं। रविवार को रायपुर में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में उनके नाम पर मुहर लगी। राजनीति में विष्णुदेव साय साफ-सुथरी छवि और लंबी राजनीतिक पारी खेलने वाले बड़े आदिवासी चेहरा हैं।

विष्णु देव साय का परिचय

- जन्म - 21 फरवरी 1964, बगिया ग्राम, कुनकुरी तहसील (जशपुर)
- 2023 विधानसभा क्षेत्र - कुनकुरी
- विष्णु देव साय के राजनीतिक करियर की शुरुआत तब हुई जब वे ग्राम बगिया में निर्विरोध सरपंच चुने गए।
- 1990-98: सदस्य, मध्य प्रदेश विधान सभा (दो कार्यकाल) तपकरा विधानसभा।
- 1999: 13वीं लोकसभा के लिए चुने गए रायगढ़ लोकसभा
- 1999-2000: सदस्य, सदन की बैठकों से सदस्यों की अनुपस्थिति संबंधी समिति और सदस्य, खाद्य, नागरिक आपूर्ति और सार्वजनिक वितरण समिति।
- 2000-2004: सदस्य, सलाहकार समिति, कृषि मंत्रालय भारत सरकार
- 2004: 14वीं लोकसभा के लिए पुनः निर्वाचित (दूसरा कार्यकाल), सूचना प्रौद्योगिकी समिति के सदस्य
- 5 अगस्त 2007: सदस्य, जल संसाधन समिति
- 2009: 15वीं लोकसभा के लिए पुनः निर्वाचित (तीसरा कार्यकाल)
- 31 अगस्त 2009: सदस्य, वाणिज्य समिति
- 2014: 16वीं लोकसभा के लिए फिर से निर्वाचित (चौथा कार्यकाल)
- 9 नवंबर 2014: केंद्रीय खान, इस्पात राज्य मंत्री

विष्णु देव साय 1990 में लड़ा पहला चुनाव

विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री होंगे बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गए विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ की कुनकुरी इलाके के कांसाबेल से लगे बगिया गांव के रहने वाले मूलत किसान हैं, राज्य में आदिवासी समुदाय की आबादी सबसे अधिक है और वे इसी समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं उनकी गिनती रमन सिंह के करीबी लोगों में होती है. 1989 में अपने गांव बगिया से पंच पद से राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले विष्णुदेव साय 1990 में निर्विरोध सरपंच निर्वाचित हुए थे इसके बाद तपकरा से विधायक चुनकर 1990 से 1998 तक वे मध्यप्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे इसके बाद 1999 में वे 13 वीं लोकसभा के लिए रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद निर्वाचित हुए. भाजपा ने 2006 में पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया इसके बाद 2009 में 15 वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में वे रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र से फिर से सांसद बने इसके बाद 2014 में 16 वीं लोकसभा के लिए वे फिर से रायगढ़ से सांसद बने इस बार केंद्र में मोदी की सरकार ने उन्हें केंद्रीय राज्यमंत्री, इस्पात खान, श्रम, रोजगार मंत्रालय बनाया वे 27 मई 2014 से 2019 तक इस पद पर रहे, पार्टी ने 2 दिसंबर 2022 को उन्हें राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया. विष्णुदेव साय 8 जुलाई 2023 को भाजपा ने राष्ट्रीय कार्यसमिति का सदस्य बनाया विष्णुदेव साय 2020 में भी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। सांसद और केंद्रीय मंत्री भी रहे हैं।

पिकनिक स्पॉट

यहां फुल एंजाय करें नया साल को

शिमला के नाम से विख्यात छत्तीसगढ़ के चिल्फीघाटी में इस बार पूर्व वर्षों की तरह ठंड में बर्फ की परत दिखाई नहीं दी। क्योंकि उतनी ठंड नहीं पड़ी, जिससे कि ओस की बूंदे बर्फ में तब्दील हो सके। इसके चलते पर्यटकों व स्थानीय लोगों को निराशा हुई। लेकिन दूसरी ओर वनांचल में घना कोहरा जरूर छा रहा है जो बस देखते ही बनता है। पर्यटन स्थल सरोदादादर और पीड़ाघाट से पहाड़ियों के बीच कोहरे का बेहद ही सुंदर नजारा दिखाई देता है। रिसोर्ट बुक हो चुके हैं।

कवर्धा जिले के बोड़ला से 10 किमी दूर रानीदहरा जलप्रपात पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। रानीदहरा के नाम से ही इसकी सुंदरता झलकती है। इसके नाम का अर्थ पहाड़ों की रानी होता है। रानीदहरा में पहाड़ी से निरंतर पानी झरता रहता है, जो पर्यटकों को आकर्षण का केंद्र हैं। यहां पहुंचने के लिए बोड़ला से पक्की सड़क बनी हुई है। हालांकि रानीदहरा गांव पहुंचने के बाद झरने

तक जाने के लिए कच्चा रास्ता तय करना पड़ता है।
बावजूद इसके लोग यहां नजारा देखने जरूर आते हैं। पहाड़ी से झर-झर बहता झरना कर्णप्रिय लगता है। यह आसपास वातावरण काफी शांत है, जिसके चलते झरने की ध्वनि साफ सुनाई देती है।

बैताल रानी घाटी: इधर छुईखदान क्षेत्र में बैताल रानी घाटी स्थित है। इसके अलावा छुईखदान से साल्हेवारा तक भी घाटी है। क्षेत्र में ठाड़पानी जलाशय के अलावा विभिन्न छोटे-छोटे धार्मिक पर्यटक स्थल व पिकनिक स्पॉट स्थित है।

डोंगरगढ़: डोंगरगढ़ धार्मिक व पर्यटन के दृष्टिकोण से बहुत ही बढ़िया जगह है। यहां मां बम्लेश्वरी मंदिर के अलावा प्रज्ञागिरी, चंद्रगिरी अन्य दर्शनीय स्थल है। उसी क्षेत्र में करेला भवानी, डंगोरा डेम ढारा, पनियाजोब डेम है।

मनगटा : सोमनी क्षेत्र के मनगटा ग्राम पंचायत में वन चेतना केंद्र स्थापित किया गया है, जहां विभिन्न प्रकार के जंगली जानवर रखे गए हैं। यहां आसपास शासकीय रिसॉर्ट के अलावा सौ से अधिक निजी रिसॉर्ट बनाए गए हैं। इसके अलावा वहीं समीपस्थ ग्राम जोरातराई में एडवेंचर पार्क है।

मोंगरा बैराज: डोंगरगांव-अंबागढ़ चौकी क्षेत्र में मोंगरा बैराज, खातूटोला बैराज, सूखानाला सहित विभिन्न छोटे-छोटे पिकनिक स्पॉट हैं।

हाजरा फॉल: डोंगरगढ़ से लगे महाराष्ट्र बॉर्डर में दर्रेकसा और साल्हेकसा के बीच हाजरा फॉल स्थित है, जहां बहुतायत में लोग घुमने जाते हैं। यहां ट्रेन मार्ग से भी पहुंचा जा सकता था। '

मनोहर सागर जलशय: जिले के बार्डर बागनदी में मनोहर सागर जलाशय है, यहां पर बहुत बड़ा डेम बना हुआ है, जहां पूर सालभर लोग घूमने-फिरने व पिकनिक मनाने पहुंचते हैं।

मिनी गोवा के नाम से है मशहूर

छत्तीसगढ़ का सतरेंगा

नए साल को यादगार बनाने अगर आपका गोवा जाने का प्लान है तो कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं है. छत्तीसगढ़ में रहकर ही मिनी गोवा का एहसास कर सकते हैं. कोरबा शहर से करीब 45 किमी की दूरी पर स्थित सतरेंगा पिकनिक स्पॉट आपको गोवा वाली मस्ती और सुकून देता है. हसदेव-बांगो बांध के एक छोर पर सतरेंगा गांव है. यहां पहाड़ों और सुंदर वादियों के बीच बसा है सतरेंगा पिकनिक स्पॉट. यहां के मनमोहक नजारों का लुत्फ उठाने छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों से भी पर्यटक आते हैं.

सतरेंगा में एक पहाड़ प्राकृतिक तौर पर शिवलिंग का आकार लिए हुए है, इसलिए इसे महादेव पहाड़ कहते हैं. ये पूरे छत्तीसगढ़ में सबसे चर्चित पिकनिक स्पॉट में से एक गिना जाता है. यहां का पानी और माहौल आपको गोवा जैसा एहसास कराता है. दरअसल जंगल के बीच बांगो बांध का निर्माण छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में हसदेव नदी पर किया गया है. यहां पहाड़ों से घिरे बांध में बीच में कई छोटे-छोटे द्वीप है, जो इसकी सुंदरता बढ़ाते हैं. उसी छोटे द्वीप में से एक सतरेंगा भी है. सतरेंगा कोरबा की नई पहचान बन चुका है.

डैम के बीच-बीच में हैं टापू

पर्यटन विभाग ने इसे वॉटर टूरिज्म के लिहाज से डेवलप किया है. इस अनोखी जगह को वॉटर स्पोर्ट्स और शानदार बनाता है. नीले पानी के बीच कई छोटे-बड़े टापू बने हैं. वहां तक बोट के जरिए पहुंचा जा सकता है. सतरंगी छटा बिखेरे हुए सतरेंगा को पिकनिक स्पॉट के रूप में डेवलप करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी. पिकनिक, वॉटर स्पोर्ट्स, कैंपिंग के अलावा यहां ठहरने के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग ने शानदार रेस्ट हाउस बनाए हैं. ये रेस्ट हाउस बाहर से जितने खूबसूरत दिखते हैं अंदर से उतने ही आलीशान हैं.

दलित साहित्यकारों ने किया मनुवाद का पुरजोर विरोधः सुबोध मोरे

रा जधानी के लोकायन भवन में आयोजित दो दिवसीय दलित साहित्य सम्मेलन में मुंबई से पहुंचे संस्कृतिकर्मी और पत्रकार सुबोध मोरे ने दलित साहित्य का उद्गम और वर्तमान स्थिति विषय पर सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एक समय था दलित साहित्य को हेय की दृष्टि से देखा जाता था। उसे साहित्य का ही दर्जा देने में तथाकथित साहित्यिक बिरादरी दोयम व्यवहारी करती थी। लेकिन दलित साहित्य ने अपने लेखनी और पक्षधरता के दम पर अपना एक अलग मुकाम बनाया है। इसमें महाराष्ट्र के दलित साहित्यकारों ने नेतृत्वकारी भूमिका निभाई। इनमें अन्ना भाऊ साठे, नामदेव ढसाल, बाबूराव बागुल प्रमुख हैं। इन साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में हाशिये पर पड़े लोगों के पीड़ाओं को प्रमुखता से उठाया और मनुवाद का पुरजोर विरोध किया। इस तरह इन दलित साहित्यकारों दलित साहित्य को महत्वपूर्ण स्थान दिलाया। इनके ही लेखन के प्रभाव से आज पूरे भारत मे दलित साहित्य पर बात होने लगी है और दलित रचनाकार अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

प्रदेश में पहली बार साहित्यिक संस्था अस्मिता विमर्श के द्वारा आयोजित हो रहे दलित साहित्य सम्मेलन 6 जनवरी को लोकायन भवन, राजबन्धा मैदान, रायपुर में हुआ। सर्वप्रथम संविधान के प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया गया तत्पश्चात दलित साहित्य सम्मेलन का उदघाटन मुम्बई के वरिष्ठ आलोचक अरविंद सुरवड़े ने किया। उदघाटन के बाद अपने अध्यक्षीय उदबोधन में वर्तमान परिस्थिति में रचनाकारों की भूमिका विषय मे बोलते हुए उन्होंने कहा- आज देश मे अभिव्यक्ति के तमाम माध्यमो और रचनाकारों पर अघोषित प्रतिबंध है। देश मे दलित-आदिवासी-अल्पसंख्यक-महिला-पत्रकार-बुद्धिजीवियों पर लगातार हमले हो रहे हैं। ऐसे समय मे रचनाकारों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। आज के दौर में रचनाकारों को चाहिए फासीवादी ताकतों का पुरजोर विरोध करें यही रचनाकारों की आज सबसे प्रमुख भूमिका है। जिस तरह बर्टोल्ड ब्रेख़्त और चार्ली चैपलिन नें मुखरता के साथ विरोध किया उसी मुखरता के साथ आज भारत के रचनाकारों, संस्कृतिकर्मियों को भारत की फासीवादी ताकतों का खुलकर विरोध करना चाहिए।

शशांक ढाबरे ने बताया कि आज की परिस्थिति में क्यों इस तरह के आयोजनों की आवश्यकता है। आज जब हर तरफ निराशाओं का दौर है और फासीवादी शक्तियों का बोलबाला है। ऐसे समय में यह आयोजन लोगों को संबल देगा। लड़ने की इच्छाशक्ति जाग्रत करेगा। उदघाटन के पहले सम्मेलन के अतिथि और अस्मिता विमर्श के सदस्यों द्वारा कलेक्ट्रेट चौक स्थित बाबा साहेब अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात आयोजन स्थल पहुंचकर सम्मेलन का शुरूवात किया ।

इसी सत्र में जाति विनाश में लोक कला और लोक साहित्य की भूमिका विषय पर शेखर नाग अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि लोक कला और लोक साहित्य प्रगतिशील होता जबकि दरबारी कलाओं में परिवर्तन की कम गुंजाइश होती । आगे उन्होंने छत्तीसगढ़ और देश की लोक कलाओं का हवाला देते हुये कहा कि लोक कला और लोक साहित्य ने लोक यानी दलितों की आवाज को हमेशा बुलंद किया है। लोक कलाओं ने जन पक्षधरता का अनोखा उदाहरण पेश करते हुए मनुवादी व्यवस्था की ठोस मुखालफत की है। शेखर नाग ने कहा कि लोक कलाओं

में विचार अगर सम्मिलित हो जाये तो व्यवस्था को तिलमिला सकती है। विचार लोक कलाओं की धार को और तेज कर देती है। उन्होंने हबीब तनवीर और अन्ना भाऊ साठे का उदाहरण पेश करते हुए कहा कि इनके नाटकों में विचारों की प्रधानता थी, जनपक्षधरता थी। इसलिए व्यवस्था इनसे भय खाती थी।

बिलासपुर के वरिष्ठ कवि कपूर वासनिक ने कविता की रचना प्रक्रिया पर कहा कि रचनाकारों को शुरूवात किसी और चीज पर धयान नहीं देते हुए सिर्फ लेखन पर ही धयान केंद्रित करना चाहिए। वो किस विधा के अंतर्गत आयेगा यह बाद में तय हो जायेगा। उन्होंने कहा कि लगभग रचनाकार अपने लेखन की शुरूवात कविता से करते हैं। उन्होंने अपनी दो छोटी छोटी कविताओं का पाठ किया -

खानदानी तेरी आदत
ढूढ़ती है जाति नामों में
मेरे लिए तेरे घर
आरक्षित बर्तन कोने में

वो टिफिन लाता था
तीन साथी के लायक रोज ही
मैं नया, उसने पूछा लंच हेतु
मैने मना किया
तीन दिन लगातार यूँही होता रहा

चवथे दिन उसने कहा -
क्या हम चमरे है, जो हमारे साथ नहीं खाते
क्या वे आदमी नहीं होते? मैंने ठनकाया
पांचवे दिन उसने पूछा ही नहीं
मुझे डाकसे आया जयभीम
उस दिन उसने पलटा था

इस अवसर पर दलित चिंतक डॉ नरेश साहू, दलित आंदोलन के वरिष्ठ साथी आशिया, इंजीनियर साथी बसंत निकोसे, राजकुमार रामटेके, भीमटे दंपति, शरद ऊके, वरिष्ठ रचनाकार नरोत्तम यादव, संगीत के उस्ताद नारायण गुरुजी और बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी, दलित कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

4 वर्षीय मासूम के हार्ट में था ब्लॉकेज, एसीआई के कार्डियोलॉजी विभाग में पेसमेकर लगा दी नई जिंदगी

4 साल के मासूम से लेकर 102 साल के बुजुर्ग के हृदय में डाला गया पेसमेकर

22 हजार जीवित बच्चों में से एक को होती है पेसमेकर की आवश्यकता

एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के डॉ. स्मित श्रीवास्तव एवं टीम ने 4 वर्षीय मासूम के हृदय में पेसमेकर लगाकर नई जिंदगी दी। मासूम को जन्म से ही हृदय में ब्लॉकेज(रूकावट) था जिसके कारण उसके पल्स (नाड़ी) की गति 40 से 50 बीट प्रति मिनट पर आ गया था। डॉ. श्रीवास्तव के मुताबिक एसीआई में अब तक 4 साल से लेकर 102 साल के बुजुर्ग के हृदय में पेसमेकर का सफल प्रत्यारोपण किया जा चुका है। छोटे बच्चों में पेसमेकर लगाने के केसेस कम ही आते हैं। लगभग 22 हजार जीवित बच्चों में से एक को पेसमेकर लगाने की आवश्यकता होती है। वहीं ज्यादातर केसेस में पेसमेकर की जरूरत नहीं पड़ती। ऐसे केस में एनेस्थेसीया के डॉक्टर की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है क्योंकि बच्चे को पूरा बेहोश करके पेसमेकर डालना पड़ता है।

मासूम के केस के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए डॉ. स्मित श्रीवास्तव कहते हैं कि बच्चे को जन्मजात हार्ट ब्लॉक की समस्या थी। शुरू में तो पता नहीं चला लेकिन खेलकूद के दौरान हांफने लगा। बच्चे को बार-बार सर्दी-खांसी होती थी। अस्पताल में शिशु रोग विशेषज्ञ को दिखाया तो पता चला कि हार्ट में ब्लॉकेज है। उसके बाद बच्चे को एसीआई लेकर आये जहां पर बच्चे की समस्या को देखते हुए पेसमेकर लगाने का निर्णय लिया गया। बच्चा छोटा था इसलिए पेसमेकर लगाते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना था कि सुई को बेहद सावधानीपूर्वक डाला जाए। बच्चे का वजन भी अपेक्षाकृत कम था।

ऐसे डाला गया पेसमेकर

कैथलैब में फ्लूरोस्कोपी की सहायता से लेफ्ट सबक्लेवियन वेन को पंक्चर करके राइट वेंट्रिकल एपेक्स में पेसमेकर लीड डाला गया। बच्चा छोटा था इसलिए सुई को बड़े ध्यान से डाला गया। सुई और तार की साइज बड़ी रहती है इसलिए हार्ट को नुकसान होने की संभावना रहती है। पेसमेकर के तार को एक्स्ट्रा लूप डालकर छोड़ा जाता है क्योंकि बच्चे की उम्र जैसे-जैसे बढ़ेगी हार्ट की साइज भी बढ़ेगी। बच्चे की ऊंचाई भी बढ़ेगी इसलिए तार में खिंचाव आएगा। इसी को ध्यान में रखते हुए तार में एक्स्ट्रा लूप डालकर छोड़ा गया।

मासूम के पिता के मुताबिक, मैं उन सभी डॉक्टरों का शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मेरे बेटे की बीमारी को समय पर पहचान कर एसीआई में उपचार कराने में सहयोग प्रदान किया। एसीआई के डॉक्टर स्मित श्रीवास्तव ने मेरे बेटे की समय रहते जान बचाई और नया जीवन दिया इसके लिए उनको धन्यवाद देता हूं। दिल के सरकारी अस्पताल में मेरे मासूम बेटे को बेहतर उपचार मिला।

टीम में ये रहे शामिल

मासूम को पेसमेकर लगाने वाले डॉक्टरों की टीम में कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव के साथ डॉ. प्रतीक गुप्ता, कार्डियक एनेस्थेटिस्ट डॉ. तान्या छौड़ा, सीनियर टेक्नीशियन आई. पी. वर्मा, जितेन्द्र, खेम सिंग, नीलिमा, निशा, मेडिकल सोशल वर्कर खोगेन्द्र साहू एवं डेविड का विशेष सहयोग रहा।

गुरु घासीदास की शोभायात्रा में झांकियों ने मोहा मन

सतनाम धर्म के प्रणेता बाबा गुरु घासीदास की 267 वीं. जयंती की पूर्व संध्या पर 16 दिसंबर 2023 को 50 हजार से भी अधिक लोगों की उपस्थिति में सतनामी समाज के सात संतजन सफेद धोती, सफेद कुर्ता व सिर पर सफेद कपड़ा बांधे हुए खुले पैर फूलों से सुसज्जित सात श्वेत ध्वज लेकर राजधानी रायपुर में शोभायात्रा का आगाज किया। शोभायात्रा आमापारा स्थित पवित्र जैतखाम की पूजा अर्चना व मंगल आरती के साथ शोभायात्रा प्रारंभ हुई जहां जय- जय सतनाम व 18 दिसंबर अमर रहे की जयकारा लगाते हुए समाज के लोग श्वेत वस्त्र धारण कर सपरिवार शामिल हुए। शोभायात्रा का रास्ते में अनेकों राजनीतिक, धार्मिक, कर्मचारी संगठन सहित सतनामी अधिवक्ता संघ से जुड़े हुए लोगों ने पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया।

जैतखाम का हुबहू मॉडल

गुरु घासीदास जी के बड़े-बड़े छायाचित्रों व जैतखाम के हुबहू मॉडल को वाहनों में फूलों व जगमग रोशनियों से सजाकर उसमें गुरु के संदेशों को अंकित किया गया था। उसी प्रकार अलग-अलग चलित झांकियां में गुरु

घासीदास जी द्वारा छाता पहाड़ में तपस्या में लीन होना.. सफुरा माता को जीवन दान देना.. हाथी पर गुरु बालक दास जी को सवार होकर उपदेश देते दिखाना.. तथा पिरामिड बनाकर पंथी नृत्य की कला जैसे अनेको प्रसंगो को दिखाया गया था।

अखाड़ा दलों ने दिखाई कलाबाजियां..

ग्रामीण क्षेत्रो से आये हुए विभिन्न अखाड़ा दलों की टोलियों ने अपनी कलाबाजियों का शौर्य प्रदर्शन किया। उन्होंने आग के गोले छोड़ना, लाठियां भाजना, चक्र घूमाना जैसे अनेकों हुनर दिखाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

युवराज गुरु ने किया अभिवादन..

भंडारपुरीधाम से पधारे युवराज गुरु सौरभ साहेब जी राजसी वेशभूषा में बग्गी पर सवार होकर सभी का अभिवादन करते हुए शोभायात्रा के साथ चलते रहे थे। समापन स्थल गुरु घासीदास चौक (नगर घड़ी) में बनाये गये मंच पर सात श्वेत ध्वजवाहक संतों की पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात सर्वश्रेष्ठ पांच झांकियो को विशेष प्रतीक चिन्ह, साल व श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

बाबा जी के संदेशों व जयकारा से गुंज उठा राजधानी

सर्वश्रेष्ठ पांच झांकियां हुई सम्मानित..

प्रथम - सतनामी समाज पार्वती नगर, रायपुर। गुलशन बांधे एवं टीम,

दूसरा - आदर्श बाल समाज देवपुरी, रायपुर। भूपेंद्र सोनवानी एवं टीम

तीसरा - भैरव नगर (संतोषी नगर) रायपुर। मोना खांडे एवं टीम

चौथा - जय सतनाम दल सरोरा, रायपुर। नारायण बंजारे एवं टीम

पांचवा - सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ अभनपुर। दर्शन मिरी एवं टीम

इसी प्रकार सांत्वना सम्मान..

जय सतनाम दल भिलाई, टुमन बंजारे एवं टीम

सतनाम संदेश हीरापुर, इतवारी बांधे एवं टीम

सतनामी समाज पंडरी अनिल कोसले एवं टीम

सतनामी समाज गोगांव, सुनील लहरे एवं टीम

इमलीडीह रायपुर की टीम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में को 9 मंत्रियों को शामिल किया गया, जिससे मंत्रिमंडल की संख्या 12 हो गई. अब कैबिनेट की 13 में से 12 सीटें भर चुकी हैं. राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने रायपुर राजभवन में आयोजित एक समारोह में एक महिला विधायक सहित 9 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई. दोनों उप मुख्यमंत्रियों - अरुण साव और विजय शर्मा ने 13 दिसंबर को सीएम विष्णु देव साय के साथ ही पद एवं गोपनीयता की शपथ ले ली थी.

मंत्री पद की शपथ लेने वालों में आठ बार के विधायक बृजमोहन अग्रवाल, पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री रामविचार नेताम, केदार कश्यप और दयालदास बघेल शामिल हैं. इनके अलावा दूसरी बार विधायक बने श्याम बिहारी जयसवाल और लखनलाल देवांगन को भी मंत्री पद मिला है. आईएएस से नेता बने ओपी चौधरी, टंक राम वर्मा और लक्ष्मी राजवाड़े को मुख्यमंत्री साय ने अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया है. ये तीनों पहली बार विधायक चुने गए हैं. इस विस्तार के बाद सीएम साय के मंत्रिमंडल में 6 सदस्य अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), 3 अनुसूचित जनजाति (ST), 1 अनुसूचित जाति (SC) और 2 सामान्य वर्ग (GEN) से हैं. राजवाड़े कैबिनेट में एकमात्र महिला सदस्य हैं. छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 13 मंत्री हो सकते हैं. राज्य में 90 विधानसभा सीटें हैं.

साय मंत्रीमंडल इन चेहरे को मिली जगह

बृजमोहन अग्रवाल- बृजमोहन पार्टी के सबसे सीनियर विधायक हैं। लगातार 8वीं बार चुनाव जीतकर विधायक बने हैं। रमन सिंह की सरकार में भी मंत्री रहे हैं। प्रशासन में अच्छी पकड़। सामान्य वर्ग से आते हैं।

रामविचार नेताम- पांचवीं बार विधायक बने हैं। पहले भी मंत्री रह चुके हैं। इस बार रामानुजगंज विधानसभा सीट से चुनाव जीते हैं। आदिवासी वर्ग से आते हैं। राज्य में आदिवासी वर्ग का सबसे बड़ा चेहरा हैं।

दयालदास बघेल- इस बार नवागढ़ विधानसभा सीट से चुनाव जीते हैं। रमन सिंह की सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं। एससी वर्ग से आते हैं। एससी वर्ग का राज्य में सबसे बड़ा चेहरा हैं।

केदार कश्यप- इस बार नारायणपुर विधानसभा सीट से चुनाव जीते हैं। संगठन के कई पदों पर रहे। बस्तर इलाके को साधने के लिए कैबिनेट में मिली जगह। आदिवासी वर्ग से आते हैं। आदिवासियों के बी अच्छी पकड़ है। रमन सिंह की सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं।

लखनलाल देवांगन- कोरबा विधानसभा सीट से विधायक बने हैं। ओबीसी वर्ग से आते हैं। संगठन में भी काम कर चुके हैं। इस बार कांग्रेस के कद्दावर नेता जयसिंह अग्रवाल को चुनाव हराया है।

श्याम बिहारी जायसवाल- मनेन्द्रगढ़ से विधानसभा का चुनाव जीतकर आए हैं। पहली बार मंत्री बने हैं। ओबीसी वर्ग से आते हैं। किसानों के बीच अच्छी पकड़ है। बीजेपी किसान युवा मोर्चा के अध्यक्ष भी रहे हैं।

ओपी चौधरी- कलेक्टर की नौकरी छोड़कर राजनीति में आए हैं। पहली बार रायगढ़ विधानसभा सीट से विधायक बने हैं। अमित शाह की पसंद पर जगह मिली है। प्रशासनिक पकड़ अच्छी है। युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। ओबीसी वर्ग से आते हैं।

लक्ष्मी राजवाड़े- भटगांव विधानसभा से पहली बार विधायक बनी हैं। सबसे युवा उम्र की विधायक हैं। अभी 31 साल की उम्र है। जनपद और जिला पंचयात सदस्य रह चुकी है। महिला वोटर्स को साधने के लिए जगह मिली है।

टंकराम वर्मा- पहली बार विधायक बने हैं। ओबीसी वर्ग से आते हैं। इस बार बलौदाबाजार विधानसभा सीट से विधायक चुने गए हैं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

ल के नौ रत्न'

श्याम बिहारी | लक्ष्मी राजवाडे | टंकराम वर्मा | लखन देवांगन

अरुण साव -अरुण साव केंद्रीय नेतृत्व के बीच पुल का काम कर रहे थे. राज्य की रणनीतियों और केंद्र से मिले आदेश का ग्राउंड पर पालन करने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे थे. आपको बता दें कि अरुण साव लगभग 33 साल से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हैं. उन्होंने वकालत और राजनीति में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया है. साव का पैतृक गांव लोहड़िया है और उन्होंने बीकॉम एसएनजी कॉलेज मुंगेली से और एलएलबी कौशलेंद्र राव विधि महाविद्यालय बिलासपुर से की है. उन्होंने 1996 में सिविल न्यायालय मुंगेली से वकालत के बाद बिलासपुर हाई कोर्ट में वकालत की. हाई कोर्ट में उप शासकीय अधिवक्ता, शासकीय अधिवक्ता और उप महाधिवक्ता जैसे पदों पर भी रहे. अरुण साहू समाज से आते हैं. वे किसान परिवार से हैं.

विजय शर्मा - डिप्टी सीएम विजय शर्मा का जन्म 19 जुलाई1973 को एक किसान परिवार में हुआ. भौतिकशास्त्र में पीजी के साथ ही इंग्लिश भाषा में डिप्लोमा लिया. शर्मा ने छात्र जीवन से ही सार्वजनिक जीवन में कदम रख लिया था. शर्मा क्रिकेट, पर्यटन, कविता पाठ और भाषण में गहन रुचि रखते हैं. क्रिकेट में वे राज्य स्तरीय स्पधाओं में हिस्सा ले चुके हैं और एथलेटिक्स में भी उन्होंने पुरस्कार जीते हैं.

मंत्रीमंडल में किसे क्या मिला

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय- सामान्य प्रशासन, खनिज साधन, ऊर्जा एवं जनसंपर्क, वाणिज्यकर, (आबकारी), परिवहन एवं अन्य विभाग जो किसी मंत्री को आबंटित न हो

उप मुख्यमंत्री अरुण साव- लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विधि एवं विधायी कार्य

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा- गृह एवं जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

बृजमोहन अग्रवाल- स्कूल एवं उच्च शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग

रामविचार नेताम-आदिमजाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग

केदार कश्यप- वन एवं जलवायु परिवर्तन, जलसंसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता विभाग

दयालदास बघेल- खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता संरक्षण विभाग

ओपी चौधरी- वित्त, वाणिज्य कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं संख्यिकी विभाग

लखनलाल देवांगन- वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम विभाग

लक्ष्मी राजवाड़े- महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग

श्याम बिहारी जायसवाल- लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा बीस सूत्रीय कार्यन्वयन विभाग

टंकराम वर्मा- खेलकूद एवं युवा कल्याण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन

UP में BHU, डॉ. भीमराव अंबेडकर

देश में टॉप 10 रैंक के अंडर आने वाली 2 यूनिवर्सिटीज उत्तर प्रदेश में हैं। ये रैंकिंग नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) ने तैयार की है। NIRF रैंकिंग के मुताबिक देश में 5वें नंबर पर वाराणसी की बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (BHU) है। वहीं, 9वें रैंक में अलीगढ़ की अटव है। इसी रैंक के हिसाब से इन यूनिवर्सिटीज में कॉमर्स स्ट्रीम में पढ़ाई करने के लिए फैकल्टी भी चुन सकते हैं।

1. बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी (BHU)

बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी प्रदेश में टॉप यूनिवर्सिटीज की लिस्ट में पहले नंबर पर है। यूनिवर्सिटी में डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स की शुरूआत साल 1940 में हुई थी। 1975 में डिपार्टमेंट में नए कोर्सेज के जुड़ने के बाद इसे बदलकर फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट कर दिया गया। 1984 से इस फैकल्टी के साथ दो इंडिपेंडेंट फैकल्टी चलती हैं - फैकल्टी ऑफ कॉमर्स और फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट। किसी भी यूनिवर्सिटी में फैकल्टी के डीन होते हैं जबकि डिपार्टमेंट को हेड ऑफ द डिपार्टमेंट (HoD) लीड करते हैं।

कोर्सेज : BHU की फैकल्टी ऑफ कॉमर्स से BCom ऑनर्स, BCom ऑनर्स इन फाइनेंशियल मार्केट्स, MCom, MBA (FM), MBA (FT), MBA (RI), एक साल का सर्टिफिकेट प्रोग्राम जैसे कोर्स कर सकते हैं। वहीं, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट से अलग स्पेशलाइजेशन के साथ टइअ प्रोग्राम में भी एडमिशन ले सकते हैं।

ऐसे मिलेगा एडमिशन : BHU के UG कोर्सेज में CUET UG एंट्रेंस एग्जाम के जरिए एडमिशन ले सकते हैं। वहीं, MBA और MBA (IB) जैसे कोर्सेज के अलावा बाकी सभी प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए CUET

PG देना जरूरी है। यूनिवर्सिटी का संचालन 1916 में शुरू हुआ था।

2. अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU), अलीगढ़

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की फैकल्टी ऑफ कॉमर्स प्रदेश में दूसरे और देश में 9वें रैंक पर है। फैकल्टी में कॉमर्स स्ट्रीम के UG, PG और PhD के 10 अलग-अलग कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं। फिलहाल, यूनिवर्सिटी से 150 रिसर्च स्कॉलस PhD कर रहे हैं।

कोर्सेज : यूनिवर्सिटी से BCom ऑनर्स, BBA, MCom, MBA (FM), MHRM (मास्टर्स ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट) , MIRM (मास्टर ऑफ इंश्योरेंस एंड रिस्क मैनेजमेंट), MTTM (मास्टर्स ऑफ ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट) , PGDBF, PGBRIM और PhD जैसे कोर्स कर सकते हैं।

ऐसे मिलेगा एडमिशन : AMU के UG कोर्सेज में एडमिशन लेने के लिए CUET UG क्वालिफाई करना जरूरी है। वहीं, PG कोर्सेज के लिए CUET PG क्वालिफाई करना जरूरी है। AMU अलीगढ़ की स्थापना 2 अक्टूबर 1962 को हुई थी।

AMU रैंक पर
र यूनिवर्सिटी है टॉप

3. एमिटी यूनिवर्सिटी, गौतम बुद्ध नगर

एमिटी यूनिवर्सिटी का एमिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड फाइनेंस प्रदेश में कॉमर्स स्ट्रीम में पढ़ाई के लिए तीसरा बेस्ट इंस्टिट्यूट है। ये एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी है। NIRF रैंकिंग में देश में यूनिवर्सिटी 35वें नंबर पर है।

कोर्सेज : यूनिवर्सिटी से कॉमर्स में 9 तरह के वक्रकोर्स और 2 तरह के PG कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं। यूनिवर्सिटी से BCom ऑनर्स, BCom ऑनर्स (इवनिंग), BCom ऑनर्स (रिसर्च), बैचलर ऑफ कॉमर्स, BCom इंटरनेशनल, BCom 3 कॉन्टिनेंट, BCom फाइनेंस एंड अकाउंटिंग, BCom कॉर्पोरेट सेक्रेटरीशिप।

ऐसे मिलेगा एडमिशन : यूनिवर्सिटी में CUET UG और CUET PG एग्जाम के स्कोर के बेसिस पर एडमिशन ले सकते हैं। इसके अलावा 12वीं के मार्क्स के आधार पर मेरिट बेसिस पर भी एडमिशन ले सकते हैं। एमिटी यूनिवर्सिटी की स्थापना 2005 में हुई थी।

4. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी का स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स प्रदेश में कॉमर्स स्ट्रीम की पढ़ाई के लिए चौथा बेस्ट डिपार्टमेंट है। इसकी ऑल इंडिया रैंकिंग 42 है।

कोर्सेज : यूनिवर्सिटी से 3 साल का BCom प्रोग्राम कर सकते हैं। इसके अलावा 6 अलग-अलग स्पेशलाइजेशन में टइअ भी कर सकते हैं। MBA रूरल मैनेजमेंट, MBA (FM, HR, MKTG), MBA (इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड वेंचर डेवलपमेंट) और MBA डिफेंस स्टडीज एंड स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट जैसे स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं।

ऐसे मिलेगा एडमिशन : यूनिवर्सिटी के UG प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए CUET UG क्वालिफाई करना जरूरी है। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी की स्थापना 1996 में हुई थी।

कैसे जारी की जाती है NIRF रैंकिंग ?

हर साल शिक्षा मंत्रालय देश के टॉप कॉलेजों की लिस्ट जारी करती है। इसे NIRF रैंकिंग कहा जाता है। ये लिस्ट पांच पैरामीटर्स के आधार पर मंत्रालय की एक्सपर्ट कमिटी बनाती है।

ये पांच पैरामीटर्स हैं:

टीचिंग, लर्निंग एंड रिसोर्सेज, रिसर्च,
प्रोफेशनल प्रैक्टिस, आउटरीच और समावेशिता

NIRF रैंकिंग में उत्तर प्रदेश की टॉप यूनिवर्सिटीज
(फैकल्टी ऑफ कॉमर्स)

यूनिवर्सिटी का नाम	ऑल इंडिया रैंकिंग	शहर का नाम
बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी	5	वाराणसी
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी	9	अलीगढ़
एमिटी यूनिवर्सिटी	35	गौतम बुद्ध नगर
बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी	42	लखनऊ

मुख्यमंत्री पहुंचे बिरहोर परिवारों के बीच चर्चा कर जाना उनका हाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की सबसे पिछड़ी विशेष जनजातियों के समुचित विकास के लिए चलाई जा रही प्रधानमंत्री जनमन योजना की हकीकत जानने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायगढ़ जिले के लैलुंगा विकासखंड के ग्राम भुईंयापानी पहुंचे। उन्होंने यहां छत्तीसगढ़ की विशेष पिछड़ी जनजातियों में शामिल बिरहोर परिवारों से रूबरू होकर उन्हें इस योजना से मिल रहे लाभ की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले बिरहोर परिवारों से अलग-अलग बातचीत कर स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार सहित मूलभूत सुविधाओं के बारे में चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आप सभी के विकास के लिए सबसे ज्यादा ध्यान देते हैं। इसके लिए उन्होंने जो जनजातियां विशेष रूप से पिछड़ी हैं उनके लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना शुरू की है। इसका लाभ आप लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं, इसे जानने मैंने आप लोगों के बीच भुईंयापानी आने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश की 5 विशेष पिछड़ी जनजातियों में बिरहोर जनजाति भी शामिल है। आज बिरहोरों की संख्या बहुत कम है, रायगढ़ जिले में इनकी जनसंख्या करीब 1100 है। पीएम जनमन योजना में प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला योजना सहित शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम जनमन योजना में आप लोगों के लिए गैस चूल्हा से लेकर मकान तक सारी योजना सरकार के पास हैं, हम इनका लाभ आप सभी को देंगे। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर हितग्राहियों को पीएम जनमन योजना के अंतर्गत उज्ज्वला योजना में गैस कनेक्शन, आधार कार्ड, राशन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, आयुष्मान भारत योजना का कार्ड वितरित किए।

आठवीं पास युवती उर्मिला को रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश-

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मिलने पहुंची उर्मिला से उन्होंने पूछा कि सरकार की किन योजनाओं का लाभ मिला है। उर्मिला ने बताया कि उसका राशन कार्ड अभी बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अगले पांच सालों तक निःशुल्क चावल देने का निर्णय लिया है। उर्मिला से मुख्यमंत्री ने पूछा कि पढ़ाई कहां तक हुई है। उर्मिला ने बताया कि आठवीं तक पढ़ी हूँ। मुख्यमंत्री ने इस पर बहुत खुशी जताई। मुख्यमंत्री ने चर्चा में कहा कि बिरहोर आबादी इस जिले में 1100 के आसपास है। सरकार के साथ ही वनवासी कल्याण आश्रम ने भी शिक्षा के लिए काफी काम किया है। मुझे खुशी है कि हम लोग भी इस दिशा में कार्य करते थे क्योंकि आगे बढ़ने के लिए शिक्षा सबसे जरूरी है। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को कहा कि उर्मिला ने विषम परिस्थितियों के बाद भी आठवीं तक की पढ़ाई कर ली है, अब इसके रोजगार की व्यवस्था कीजिए।

मुख्यमंत्री ने कहा आयुष्मान है तो स्वास्थ्य की चिंता नहीं-

मुख्यमंत्री श्री साय ने घासीराम से भी चर्चा की। उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में घासीराम से पूछा। घासीराम ने बताया कि उनका आयुष्मान कार्ड बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे दस लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज हो जाएगा। घासीराम से मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे अधिकारी आपके पास आते रहेंगे। आपको किसी भी तरह की समस्या हो, उन्हें बताइये, वे इसे अवश्य हल करेंगे।

नन्हीं अंजू को दुलारा, कहा खूब पढ़ाई करो बेटा-

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर उपस्थित बिरहोर जनजाति के लोगों को उपहार भी भेंट किए। उन्होंने नन्हीं अंजू से बात की और उसे पास बुलाकर दुलारा। उन्होंने अंजू से पूछा कि वो कौन सी क्लास में पढ़ती है। अंजू ने बताया कि वो दूसरी कक्षा में है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बिरहोर समुदाय के लोगों से कहा कि बच्चों को खूब पढ़ाइये। जितना ज्यादा पढ़ेंगे, ये बच्चे उतनी ही तरक्की करेंगे।

बिरहोर जनजाति के हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ -

भुईंयापानी में आज बिरहोर जनजाति के घासीराम बिरहोर, बिमला बिरहोर, सुकनी बिरहोर एवं किरण बिरहोर के आयुष्मान कार्ड बनाये गये। इस तरह किरण बिरहोर, करीना बिरहोर, कन्दरू बिरहोर, सुनीता बिरहोर एवं आकाश बिरहोर के आधार कार्ड बनाये गये। साथ ही उर्मिला बिरहोर, सुकनी बिरहोर, सजाराम बिरहोर, अनिता बिरहोर, पंचराम बिरहोर एवं परमिला बिरहोर के राशन कार्ड बनाये गये। फुलवती बिरहोर, नान्हीबाई बिरहोर एवं सोहरिन बिरहोर के उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन के कार्ड बनाए गए। सुकनी एवं नान्हीबाई बिरहोर के मनरेगा जॉब कार्ड बनाए गए।

गौरतलब है कि पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 9 केन्द्रीय मंत्रालयों के माध्यम से 11 महत्वपूर्ण योजनाओं का क्रियान्वयन विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के सर्वांगीण विकास के लिए किया जाना है। इन योजनाओं में पक्के घर, पक्की सड़क, नल से जल-समुदाय आधारित पेयजल, छात्रावासों का निर्माण, मोबाइल मेडिकल यूनिट, आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से पोषण, बहुउद्देशीय केन्द्रों का निर्माण, घरों का विद्युतीकरण (ग्रिड तथा सोलर पावर के माध्यम से), वनधन केन्द्रों की स्थापना, इंटरनेट तथा मोबाइल सर्विस की उपलब्धता और आजीविका संवर्धन हेतु कौशल विकास शामिल हैं। इन सभी गतिविधियों का क्रियान्वयन मिशन मोड में तीन वर्ष की अवधि में पूर्ण कर सभी बसाहटों को आवश्यकतानुसार अधोसरंचनात्मक रूप से सुदृढ़ बनाना है।

स्टेट पॉवर कंपनी का कार्यभार संभालते ही आई.ए.एस. पी. दयानंद ने ली बैठक

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के 12वें अध्यक्ष के रूप में 5 जनवरी को पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण उपरांत दयानंद ने पॉवर कंपनी के उच्च अधिकारियों की मैराथन बैठक ली। उन्होंने प्रदेश में विद्युत उत्पादन, पारेषण और वितरण की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने प्रदेश में विद्युत की भविष्य की आवश्यकताओं को देखते विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने सौर ऊर्जा और जल से विद्युत उत्पादन संबंधित प्रस्ताव तैयार करने कहा।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के मुख्यालय स्थित सेवा भवन में ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष पी. दयानंद ने पॉवर कंपनी के जनरेशन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के उच्च अधिकारियों की अलग-अलग बैठक ली। लगभग तीन घंटे तक चली बैठक में सभी कंपनियों के प्रबंध निदेशकों ने कंपनी की उपलब्धियों और संरचना के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर ऊर्जा विभाग के विशेष सचिव सुनील कुमार जैन विशेष रूप से उपस्थित थे।

डिस्ट्रीब्यूशन एवं ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक मनोज खरे ने बैठक में बताया कि प्रदेश में 62 लाख उपभोक्ताओं को 24 घंटें निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जा रही है। प्रदेश में अधिकतम डिमांड 6157 मेगावॉट तक पहुंची है, जिसकी आपूर्ति बिना किसी व्यवधान के पूरी की गई। वितरण कंपनी की वित्तीय स्थिति पहले से बेहतर है।

जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक एसके कटियार ने जानकारी दी कि प्रदेश में जनरेशन कंपनी की कुल क्षमता 2978.7 मेगावॉट है। जनरेशन कंपनी के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विद्युत संयंत्र और अटल बिहारी वाजपेयी विद्युत संयंत्र मड़वा पूरी क्षमता से बेहतर विद्युत उत्पादन कर रहे है, जिससे बिजली की उत्पादन लागत में कमी आई है। अध्यक्ष ने पॉवर कंपनी में नई भर्तियों और रिक्त पदों की भी जानकारी मांगी। उन्होंने कहा कि विद्युत के क्षेत्र में और भी बेहतर कार्ययोजना बनाकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने पॉवर प्लांट से निकलने वाले राखड़ के 87 प्रतिशत से अधिक निष्पादन पर संतोष जताया और इसे और बेहतर करने की बात कही। इस अवसर पर तीनों कंपनियों के कार्यपालक निदेशक, मुख्य अभियंतागण उपस्थित थे।

12वें अध्यक्ष

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के12 वें अध्यक्ष बनाए गए आईएएस पी. दयानंद

राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश को ऊर्जा के मामले में बनाएंगे अग्रणी

नवनियुक्त अध्यक्ष पी.दयानंद को विद्युत सेवा भवन में पॉवर कंपनीज अधिकारी कर्मचारी तथा विभिन्न श्रमिक संघ-संगठनों के प्रतिनिधियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य शासन के मंशानुरूप छत्तीसगढ़ को संवारने और राज्य शासन के रीति-नीति के अनुरूप विद्युत विकास के मामले में राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाये रखना उनकी प्राथमिकता होगी। वर्तमान में वे मुख्यमंत्री के सचिव के साथ ऊर्जा, खनिज साधन, जनसंपर्क, विमानन विभाग तथा वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव का दायित्व भी संभाल रहे हैं। विदित हो कि आईएएस पी. दयानंद बिहार राज्य के सासाराम के रहने वाले है। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि हासिल की। 2006 बैच के आईएएस श्री दयानंद सुकमा, दंतेवाड़ा, अंबिकापुर, कवर्धा, कोरबा व बिलासपुर में कलेक्टर के पद पर अपनी सफलतम सेवायें दे चुके हैं। इस दौरान आपने आदिवासियों के आवास एवं शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण काम करवाएं। कलेक्टर बिलासपुर के बाद प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा के तौर पर तथा आयुष विभाग में कई महीने तक डायरेक्टर भी रहे। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज में अब तकएस.के.मिश्रा, गोपाल तिवारी, बी.एस.बनाफर, अजय सिंह, राजीब रंजन, पी.जॉय ओम्मेन, श्रिवराज सिंह, शैलेन्द्र शुक्ला, सुब्रत साहू एवं अंकित आनंद चेयरमेन के पद पर कार्य कर चुके हैं।

पहली कैबिनेट में 18 लाख आवास मंजूर, मोदी की गारंटी पर काम शुरू

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय कैबिनेट की पहली बैठक राज्य के आवासहीनों को समर्पित रही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कैबिनेट की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में जानकारी दी कि कल सरकार गठित हुई है और मंत्रिमंडल की पहली बैठक में राज्य के आवासहीनों के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवास निर्माण को मंजूरी दे दी गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि निश्चित रूप से मोदी जी की सभी गारंटियां पूरी होंगी। साय ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार ने छत्तीसगढ़ की आर्थिक स्थिति बिगाड़ दी। अब डबल इंजन की सरकार जनता ने चुनी है तो स्थिति सुधरेगी और जनता से किए गए वादे पूरे होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने संवाददाता सम्मेलन में जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश के मतदाताओं ने भाजपा पर बहुत बड़ा विश्वास किया है। कल्पना से भी बड़ी सफलता दिलाई है। कल ही नई सरकार का शपथ समारोह था। हम लोगों ने शपथ ली। ऐसे में सौभाग्य का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी आशीर्वाद देने पधारे थे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कई केंद्रीय मंत्री, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री पधारे थे। हम इन सभी के भी आभारी हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि शपथ समारोह के बाद कैबिनेट की पहली बैठक में मोदी गारंटी पूरी करने का काम शुरू हो गया है। सबसे पहले जो गरीब 18 लाख आवास से वंचित हो गए थे, उन्हें आवास मिलेंगे। प्रधानमंत्री जी ने भी गरीबों को आवास देने का वादा किया है। हमने पहला काम 18 लाख आवास निर्माण को स्वीकृत करने का किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने छत्तीसगढ़ को आर्थिक तौर पर खोखला कर दिया लेकिन हम शत प्रतिशत वादे पूरे करेंगे।

मुख्यमंत्री ने आदिवासी इलाकों में भाजपा को मिली अपार सफलता के मद्देनजर कहा कि आदिवासी समाज का मान सम्मान भाजपा ने बढ़ाया है। हमारी पहले की सरकार ने 15 साल तक आदिवासियों के हित में काम किया। उन्हें भुखमरी से बाहर निकाला। सस्ता अनाज देने का काम शुरू किया। हमने आदिवासी क्षेत्रों में विकास के सभी काम किए हैं। हमने आदिवासी समाज से देश को द्रौपदी मुर्मू जी के रूप में राष्ट्रपति दी हैं। हमारी केंद्र सरकार ने आदिवासियों के लिए पृथक से मंत्रालय बनाया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पिछली सरकार की योजनाओं के संबंध में सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सभी योजनाओं की समीक्षा करेंगे और उचित निर्णय लेंगे।

धर्मांतरण के सवाल पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछली सरकार ने धर्मांतरण को बढ़ावा दिया। हमारी सरकार विचार करेगी कि कैसे हम इस पर रोक लगाएं। नक्सलवाद के बारे में उन्होंने कहा कि हमारी 15 साल की सरकार नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती से लड़ी थी और अब भी हम मजबूती से लड़ेंगे। पीएससी घोटाले के बाबत उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री जी ने कहा है। यह स्पष्ट है कि हम उचित कदम उठाएंगे। मुख्यमंत्री के संवाददाता सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री अरुण साव और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

भाजयुमो संकल्प ले की सभी 11 लोकसभा सीटें मोदी को देंगे उपहारः विष्णुदेव

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की मंडल सशक्तिकरण कार्यशाला भाजपा प्रदेश मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में हुई। भाजपा क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अर्पिता बड़ाजेना, प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अमन दीप सिंह, भाजयुमो प्रदेश प्रभारी आलोक डंगस ने कार्यशाला का उद्घघाटन किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने भाजपा पर विश्वास किया है, हर वादे को पूरा करना है। एक छोटा सा कार्यकर्ता आज मुख्यमंत्री बना है। ये सिर्फ भाजपा में ही संभव है। पार्टी सब का काम देखती है। समय के अनुसार उसका ध्यान भी रखती है। हम चुनाव जीते हैं, इसमें मोदी जी की गारंटी का बहुत बड़ा योगदान है। सबका साथ लेकर सबका विकास हमको करना है। मोदी जी का भरोसा जनता में बरकरार रखना है। मोदी जी की गारंटी पांच साल में पूर्ण होगी। पहली कैबिनेट में गरीबों को मकान देने का काम हमने किया है। मोदी जी की गारंटी में 12 लाख किसानों को अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिन पर दो साल का बोनस दिया जाएगा। महतारी वंदन योजना को लेकर महिलाओं ने जो योगदान दिया है उसके तहत 12000 रुपये प्रति साल देने की योजना जल्द लागू होगी। पीएससी घोटाला में उच्च स्तरीय जांच होगी। उन्होंने भाजयुमो को संकल्प दिलाया कि छत्तीसगढ़ में 11 की 11 लोकसभा सीट लाना है। विकसित भारत के रथ में सहभागी बन के जनता तक पहुँचना है। 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा है जिसमें हमारी पूर्ण भूमिका है, जनता तक इसकी जानकारी देना है।

उप मुख्यमंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि हमने बहुत सोच विचार के भाजयुमो की टीम बनाई है। इस टीम को 10 साल तक लोग याद रखेंगे। हमारे युवा मोर्चा ने कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंका। कांग्रेस के लोग सत्ता सुख भोगने आये थे। जनता के काम करने नहीं। उसी जनता ने कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंका। भाजयुमो को योजना बनना होगी। जहां हारे हैं वहां और मेहनत कर के लोकसभा में जीत सुनिश्चित करना होगा। कार्यकर्ता अगर ठान लें तो कोई भाजपा को नहीं हरा सकता। मंडल सशक्तिकरण अभियान पर विशेष ध्यान सभी 11 लोकसभा क्षेत्र में योजनाबध्द तरीके से केंद्रित करना होगा। हर वर्ग हर समाज तक भारत सरकार की उपलब्धि पहुँचाना है। सेवा रचनात्मक कार्य से युवाओं को अपने साथ जोड़ना है। पार्टी के विकसित भारत संकल्प में पूरी ताकत के साथ भाजयुमो को प्रदेश में लगना है।

उप मुख्यमंत्री एवं प्रदेश भाजपा महामंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भाजपा की सरकार जब जब बनती है जहाँ जहाँ बनती है, अथक प्रयासों से बनती है। छत्तीसगढ़ के 5 साल का अंधकार अब खत्म हुआ है। सूर्योदय हुआ है, नवा सवेरा है। भाजपा ने 15 साल में छत्तीसगढ़ को सवारा था फिर से विकास से सजाएंगे। कैबिनेट की पहले बैठक में 18 लाख गरीब परिवार का घर बनाने का निर्णय लिया गया। मंडल शक्तिकरण में एक मंडल 7 दिन रहना है। प्रवास करना है। प्रवास करोगे तो व्यक्तित्व का विकास होगा। सभी का आवासीय प्रवास होना चाहिए। आने वाले आम चुनाव में भाजयुमो का काम बोलना चाहिए। संगठन का काम बहुत पवित्र काम है।

प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय द्वारा सभी कार्यकताओं को 2023 के विधानसभा चुनाव जीतने पर बधाई दी गई। उन्होंने कहा कि जीत भाजयुमो की कड़ी मेहनत का नतीजा है। भाजयुमो ने युवाओं से संबंधित जितने अंदोलन किए हैं, उसी का असर है। युवाओं का पूरा समर्थन चुनाव में भाजपा को मिला है। इसी शक्ति के साथ हमें जनता के लिए काम करते रहना है। भाजयुमो को अपने प्रति युवाओं के विश्वास को बरकरार रखना है।

क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने भाजयुमो कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजयुमो के ऐतिहासिक पीएससी आंदोलन का स्मरण करते हुए कहा कि इस विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का मुख्य आधार बना है। उन्होंने कहा कि भाजयुमो भाजपा की रीढ़ की हड्डी है। सभी कार्यकताओं ने विभिन्न विधानसभाओं में कड़ी मेहनत की है। लाठी डंडा खाएंगे सरकार बना के रहेंगे की दृष्टि से भाजयुमो ने काम किया है और सफल भी हुए है।

प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत के संकल्प कि जब तक भाजपा की सरकार नहीं बनेगी तब तक माला नहीं पहनूँगा। उस संकल्प को मुख्यमंत्री द्वारा रवि भगत को माला पहना के सम्मान सहित पूर्ण किया गया। प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत द्वारा अपने कार्यकाल के बारे में बताया गया कि पीएससी घोटाले को ले कर संघर्ष करते हुए पूर्व की भ्रष्ट सरकार के खिलाफ आंदोलन करते रहे। वैन विभाग घोटाला हो, नासा के खिलाफ पूरे प्रदेश में युवा मोर्चा ने हर मंडल हर जिला में अभियान चलाया था। एक बूथ 20 युवा के अभियान के कारण विधानसभा के हर मंडल बूथ में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से लगे रहे। नव मतदाता सम्मेलन सभी जिले में हुआ। जहाँ युवाओं से संबंधित समस्याओं से भाजपा से जोड़ा गया।

एल्बिनो भालू मरवाही के इलाके में पाए जाते रहे हैं ... यह खडगांव ब्लाक में पहुंचे कैसे? गुत्थी सुलझना जरूरी है...

चिरमिरी में मिले उत्तरी ध्रुव का रहवासी दुर्लभ भालू

छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में भालू के दो नवजात बच्चे मिले हैं. इनमें से एक शावक सफेद रंग का है. सफेद शावक मिलने से क्षेत्रवासी हैरान हैं. ग्रामीणों को दोनों शावक जंगल में मिले, बहुत छोटे होने के कारण ग्रामीणों उन्हें उनको गोद में उठाकर गांव आए. चिरमिरी खड़गवां ब्लाक के बहालपुर गांव के पास जंगल में दुर्लभ सफेद भालू को देखने के लिए पूरा गांव इकट्ठा हो गया. वहीं इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी गई तब वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी गांव में पहुंचे और शावकों को अपने कब्जे में ले लिया है.

छत्तीसगढ़ में पहले भी यदाकदा सफेद भालू देखे गए हैं. वन विभाग द्वारा दोनों शावकों को विशेष निगरानी में रखा गया है. डिप्टी रेंजर एसडी सिंह ने बताया कि, फिलहाल दोनों शावकों को रायपुर स्थित जंगल सफारी में रखा गया है. दरअसल, कोरिया वनमंडल में मादा से बिछड़े दोनों शावकों को वनकर्मियों की टीम ने बेहतर देखभाल के लिए जंगल सफारी में लाकर छोड़ा है. भालू के शावक पूरी तरह से स्वस्थ्य हैं. उनका वजन चार पाउंड से ज्यादा है. भालू के शावकों की उम्र एक माह के करीब है शावकों को डाइट के रूप में बकरी का दूध दिया जा रहा है.

* सफेद भालू त्वचा काली होती है, लेकिन सफेद रंग के नरम रोएं के चलते वह देखने में सफेद ही नजर आते हैं.
* जमीन पर पैदा होने के बाद भी सफेद भालू बर्फ में रहना पसंद करते हैं.
* सफेद भालू अच्छे से तैरने में माहिर होते हैं.
* सफेद भालू की त्वचा काफी मोटी होती है जो इन्हें बफीर्ली जगह पर भी गर्म रखती है.
* बफीर्ली जगहों के लगातार पिघलने से सफेद भालूओं के रहने पर संकट पैदा हो गया है.
* जलवायु में बदलाव के चलते इनकी तादाद लगातार घट रही है.
* व्यस्क सफेद भालू का वजन 600 किग्रा तक होता है.
* लेकिन मादा सफेद भालू का वजन नर की तुलना में काफी कम होता है.
* सफेद भालू लोमड़ियों जैसे जीव को भी खाते हैं लेकिन ज्यादातर ये सीलें खाकर गुजारा करते हैं.
* ध्रुवीय भालुओं के समूह को झुंड या खोजी कुत्ता के नाम से भी जाना जाता है.
* इन भालुओं के सूंघने की क्षमता तेज होती है
* अपने छोटे कान, पूंछ और पैर के चलते दिखने में ये भालू बेहद प्यारे नजर आते हैं
* सफेद भालू आमतौर पर जुड़वा बच्चों को जन्म देते हैं.

इसलिए होते हैं सफेद

वैसे तो सफेद भालू ध्रुवीय प्रदेशों में रहते हैं. भारत के जंगलों में ज्यादातर काले भालू ही पाए जाते हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में दिखाई देने वाले सफेद भालुओं को एलबिनो कहा जाता है. दरअसल, ऐल्बिनिजम ऐसी कोशिकाओं के कारण सफेद हो जाते हैं, जो मेलेनिन का उत्पादन नहीं कर पातीं हैं. इस वजह से उनकी त्वचा, आंखों और बालों का रंग सफेद हो जाता है.जब तक भालू के शरीर में ऐल्बिनिजम मौजूद रहता है, वह सफेद या गुलाबी दिखाई दे सकता है.

इन शावकों में एक काला दूसरा सफेद है. जबकि यह दोनों स्लाथ भालू के बच्चे हैं। उनमें एक जीन्स के खेल का कारण सफेद हो गया है. इसे बर्फीला पोलर बियर मानना या लिखना अज्ञानता प्रकट करना है। बाद एल्बिनो की आंख और थूथन लाल रंग की हो जाएगी. अब तक एल्बिनो भालू मरवाही के इलाके में पाए जाते रहे हैं. इन दोनों भालू शावकों के सामने आने की गुत्थी सुलझना जरूरी है. यह खडगांव ब्लाक में पहुंचे कैसे, और कौन इनको जंगल से उठा कर लाया है. क्या यह हसदेव अरण्य की कटाई का साइड इफेक्ट है जो इनकी मां लावारिस छोड़ गई.

जंगल में राह भूले को उड़ कर बताता है आगे-आगे रस्ता

हुदहुद एक ऐसा पक्षी है जिसे करामाती माना जा सकता है। पाक कुरान शरीफ में इसका पांच बार उल्लेख है। किवदन्ती है कि, जंगल में राह भूले को यह रस्ता आगे आगे उड़ कर बताता है।

इसके सिर पर पंखों का ताज है जिसे यह उड़ते और उड़ान बाद बैठते या फैलाता है। जेब्रा सी पँख में लकीरें। इसके नाम हुदहुद से आये उत्तरी हिन्द महासागर में 2014 में अब तक के शक्तिशाली तूफान ने बहुत कहर ढाया था। यह इजरायल का राष्ट्रीय पक्षी है। इस पक्षी को कुछ कठफोड़ समझ लेते हैं यह गलत है।

मोहन भाटा में तालाब के किनारे यह जमीन पर चुग रहा था। यह महज संयोग होगा। परन्तु पक्षियों के प्रवास की राह और समय कैसे याद रखते हैं। कई रहस्य अबूझे हैं और इन्होंने मानव को सदियों से अपनी तरफ खींचा है।

सांप के खौफ से सब उससे दूरी बना कर रखना चाहते हैं लेकिन इस बाज की खुराक में सांप शामिल है। इस तरह यह सापों का जैविक नियंत्रक हैं।

छत्तीसगढ़ के अचानकमार सहित अन्य जंगल में यह बाज अक्सर दिखता है। एटीआर में छपरवा के मनियारी नदी के पुल से पेड़ की बहुत ऊंचाई पर बैठे हुए ली है। वैसे भी यह पानी के किनारे शिकार की टोह में पेड़ पर दिखता है। सांप की इसके सामने नहीं चलती इसलिए इसके नाम सरपेंट जुड़ा है। इसकी तीखी आवाज दो तीन स्वर से मिली है। सर कुछ बड़ा और आंख पीली। जंगल में यह कम नहीं हो रहे,पर इनकी वृद्धि थमी है।

॥ हे सतनाम, हे सतपुरुष ॥

सतनाम धर्म के प्रवर्तक प्रातः स्मरणीय परमपूज्य गुरुघासीदास बाबा की जय,बालब्रम्हचारी,सतधारी,तपस्वीगुरु,अध्यात्मगुरु ,परमपूज्य गुरुअमरदास बाबा की जय
शुरवीर महान प्रतापी,राजागुरु,धर्मगुरु गुरुबालकदास बाबा की जय

वर्ष-23 वॉ

सतनामी युवक-युवती परिचय सम्मेलन,रायपुर

मान्यवर,

सतनामी उत्थान एवं जागृति समिति रायपुर द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सतनामी समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का प्रदेश स्तरीय परिचय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। अतः इस शुभ अवसर पर विवाह योग्य युवक-युवतीयों को शुभ आशिर्वाद प्रदान करने हेतु सादर आमंत्रित हैं।

परम् पुज्य गुरू घासीदास बाबा

दिनांक : 7 जनवरी 2024, रविवार, प्रात : 10 बजे से शाम 5 बजे तक
स्थान : खालसा स्कूल परिसर, कचहरी चौक, रायपुर (छ.ग.)

शुरवीर महान प्रतापी राजागुरु धर्मगुरु
गुरू बालकदास साहेब

सानिध्य एवं मार्गदर्शन

समाज के आदेशक,निर्देशक,मार्गदर्शक,प्रेरणाश्रोत,धर्मरक्षक

राजागुरू,धर्मगुरू,गुरूबालदास साहेब जी

गुरूगद्दीनशीन- गुरूद्वारा भण्डारपुरी धाम, राष्ट्रीय अध्यक्ष-अखिल भारतीय सतनाम सेना

मुख्य अतिथि

माननीय श्री विष्णु देव साय जी

(मुख्यमंत्री छ.ग. शासन)

अध्यक्षता

माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल जी

(मंत्री छ.ग. शासन)

विशिष्ट अतिथि

माननीय श्री गुरू खुशवंत साहेब जी (विधायक आरंग)
माननीय श्री राजेश मुणत जी (विधायक पश्चिम रायपुर)
माननीय श्री पुरंदर मिश्रा जी (विधायक उत्तर रायपुर)
माननीय श्री मोतीलाल साहू जी (विधायक ग्रामीण रायपुर)
माननीय श्री भुषण लाल जांगड़ें जी (पूर्व राज्य सभा सदस्य)
माननीय श्री सत्यनारायण शर्मा जी (पूर्व विधायक ग्रामीण रायपुर)

आमंत्रण

जय बहादुर बंजारे (प्रदेशाध्यक्ष)9926545355,दिनेश खुटे (प्रदेश उपाध्यक्ष) 9826710190
पृथ्वीराज बघेल (प्रदेश उपाध्यक्ष)9826196235, सुश्री अंजली बरमाल (प्रदेश उपाध्यक्षा)8719091913
रमेश बंजारें (महा.सचिव)9926598999, कृष्ण कुमार बरमाल (कोषाध्यक्ष)9098878604
जितेन्द्र चेलक (जिला अध्यक्ष रायपुर)7974296325

आयोजक: सतनामी उत्थान एवं जागृति समिति (पंजी.क्रं. 2718)रायपुर-छ0ग0

आशीर्वाद हॉस्पिटल

जहाँ परिणाम दिखते हैं दम्पत्तियो की भरी हुई गोद के रुप में
जहाँ सपनें होते हैं साकार

आपके घर भी गूंजेगी
नन्हीं किलकारियाँ

यदि आपको इनमें से कोई समस्या है?

- बंद नली
- संतानहीनता
- कमजोर वीर्य
- शुक्राणु हीनता
- अंडे नही बनना
- बार बार गर्भपात
- बच्चेदानी मे गठान
- हार्मोन्स की गड़बडी
- अनियमित माहवारी
- बार बार असफल iui/ivf

क्या शादी के लंबे समय के बाद भी आपकी गोद सूनी है?

आप माता पिता बनने के लिये तरस रहे हैं?

उपलब्धियां

हजारों दम्पत्तियों को संतान सुख
हजार से अधिक स्वस्थ जुड़वा बच्चों का जन्म
45-50 वर्षीय दम्पत्तियों को संतान सुख
शादी के 25-30 वर्ष बाद संतान सुख
पांच बार स्वस्थ ट्रिप्लेट का सफल जन्म
माहवारी बंद होने के बाद भी संतान सुख
कैंसर के इलाज के बाद दो महिलाओं ने IVF द्वारा स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया

उपलब्ध सुविधाएँ

टेस्ट ट्यूब बेबी की सुविधा
शुक्राणु हीनता
कृत्रिम गर्भाधान व सेरोगेसी
अंडे एवं भ्रुण दान की सुविधा
दूरबीन एवं सामान्य पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बच्चेदानी व अंडाशय के ट्यूमर की जाँच व ऑपरेशन
लेप्रोस्कोपी एवं हिस्ट्रोस्कोपी ऑपरेशन
नि संतान दम्पतियों के इलाज हेतु अत्याधुनिक व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का केन्द्र

सुलभतम पैकेज अधिकतम सफलता

मात्र **75000/-*** T&C applied
में **IVF/ ICSI**

विशेष सुविधा

सेकंड ओपिनियन - निःशुल्क परामर्श
iui/ivf में बार बार असफल दम्पत्तियों के लिए विशेष पैकेज
सोमवार से शनिवार (1 PM- 2 PM) स्पेशल क्लीनिक

अधिक जानकारी के लिए आज ही कॉल करें
9907782353, 8103134487

आशीर्वाद हॉस्पिटल
ईक्सी टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर

माँ शीतला मंदिर के पास, डंगनिया, रायपुर
0771-2242056, 2243968 : 9826433959
drnmadhariya@gmail.com : www.aashirwadhospital.com

बोनस की राशि आहरण में कोतही बरतने पर शाखा प्रबंधक के खिलाफ होगी कार्यवाही: केदार कश्यप

सहकारिता मंत्री ने कहा कि बैंकिंग योजना का लाभ लोगो तक शत-प्रतिशत पहुंचे। सभी किसानों को समिति के सदस्यता प्रदान करते हुए जोड़ा जावे। बैठक में चालू खरीफ एवं रबी फसलों के लिए वितरित अल्पकालीन कृषि ऋण की समीक्षा किया गया। समीक्षा में पाया गया कि 7000 करोड़ के विरूद्व अब तक 7342 करोड़ का ऋण वितरण किया जा चूका है। बैठक में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक राजनांदगांव द्वारा गत वर्ष की तुलना में लक्ष्य के विरूद्व अत्यधिक ऋण वितरण पर संयुक्त पंजीयक को जांच के निर्देष दिये गये। छत्तीसगढ़ में 2058 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां है, जिसमें से 1397 समितियों में माइक्रो एटीएम प्रदाय किये गये है। षेष 661 सहकारी समितियों में माइक्रो एटीएम लगाये जाने के निर्देष दिये गये। नाबार्ड सहायता अंतर्गत आर-आईडीएफ योजना के तहत 725 नवीन गोदाम निर्माण की स्थिति की समीक्षा किया गया जिसमें पाया गया कि 280 गोदाम पूर्ण हो चूके है। प्रति गोदाम राशि रुपए 25.56 लाख के मान से योजना की कुल लागत 185.31 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान किया जा चूका है।

समीक्षा में पाया कि 2028 सोसाइटियों का चयन पैक्स कम्प्युटराइजेशन हेतु किया गया है। सहकारी शक्कर कारखानों में शक्कर उत्पादन, कोण्डागांव में निमार्णाधीन मक्का आधारित एथेनाल प्लाट एवं कवर्धा में ईथेनाल प्लाट की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में पैक्स के आय के श्रोत बढ़ाने, डेयरी, मात्स्यिकी, भंडारण में नए रोजगार के अवसर सृजित करने गहन विचार-विमर्श किया गया। पैक्स को कामन सर्विस सेन्टर के विकसित करने पर जोर दिया गया। चयनित सहकारी समिति को जनऔषधी केन्द्र तथा पेट्रोल पंप संचालित करने की अभिनव योजनाओं के क्रियान्वयन का निर्देश दिया गया। सभी सहकारी समितियों को किसान समृद्वि केन्द्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिये गए।

सहकारिता मंत्री बनने के बाद केदार कश्यप द्वारा सहकारिता विभाग की पहली बैठक ली गई। बैठक में 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस के अवसर पर दो वर्ष का बकाया धान बोनस की राशि अब तक कुल राशि 3138 करोड़ का अंतरण किसानों के खातें में किये जाने की जानकारी दी गई। बोनस की राशि के आहरण में किसानों को सहकारी बैंकों से किसी तरह की असुविधा नही होनी चाहिए। ऐसे किसान जिनको बोनस की राशि का भुगतान खाता त्रृटिपूर्ण होने के कारण नहीं हो पाया है ऐसे किसानों की सूची समिति द्वारा नोटिस बोर्ड पर प्रकाशित करते हुए खाता सुधार की कार्यवाही तहसील माड्यूल से एक माह की सीमा में निर्देश दिए गए।

प्रदेश स्तरीय विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में शामिल

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में 03 जनवरी को नवा रायपुर स्थिति अपेक्स बैंक के सभागार में प्रदेश स्तरीय विभागीय योजनाओं की समीक्षा किये। बैठक में सचिव सहकारिता हिम शिखर गुप्ता, पंजीयक सहकारी संस्थाएं रमेश कुमार शर्मा, विपणन संघ प्रबंध संचालक सुश्री इफ्त आरा, अपेक्स बैंक प्रबंध संचालक केएन कान्डे सहित मुख्यालय एवं संभागीय मुख्यालय विभागीय अधिकारी, शक्कर कारखानों के प्रबंध तथा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों के सीईओ मौजूद रहे।

विष्णुदेव सरकार बताएं कब बंद होगी,बंदूकों के साए में हो रही हसदेव जंगल की कटाई

छत्तीसगढ़ में भाजपा की तथाकथित डबल इंजन की सरकार बनते ही हसदेव अरण्य क्षेत्र में जंगल की कटाई अचानक तेज गति से शुरू हो गई है। आदिवासी मुख्यमंत्री और आदिवासी अधिकारों का ढोंग करने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का असली चेहरा स्पष्टतौर पर सामने आ चुका है। छत्तीसगढ़ में जब भारतीय जनता पार्टी विपक्ष में थी तब ये पूर्ववर्ती सरकार पर तथ्यहीन आरोप लगाया करते थे जबकि असलियत यह है कि संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत कोल खनन विशुद्ध रूप से केंद्र सूची का विषय है, कोल ब्लाक आबंटन के लिए आवेदन की प्रक्रिया से लेकर अंतिम आदेश तक केंद्र की सरकार तय करती है। 2014 से 2018 के बीच जब केंद्र और राज्य दोनों जगह बीजेपी की सरकार थी तब भी आदिवासियों के साथ सबसे ज्यादा अत्याचार हुए। नंदराज पर्वत अडानी को बेचा गया जिसके लिए ग्राम सभा की तथाकथित एनओसी भी कूट रचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी तरीके से दी गई थी। विष्णुदेव साय की भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ को एकबार फिर कारपोरेट लूट का चारागाह बना दिया गया है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पूर्ववर्ती भूपेश सरकार ने हसदेव अरण्य के 5 कोल ब्लॉक आवंटन रद्द करने 26 जुलाई 2022 को विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर भेजा है, उस पर मोदी सरकार आज तक क्यों मौन है? देश के इतिहास में पहली बार कमर्शियल माइनिंग मोदी सरकार में शुरू हुआ, कोल इंडिया लिमिटेड और एसईसीएल जैसे सार्वजनिक उपक्रमों, नवरत्न कंपनियों के खदान अडानी को किसने हस्तांतरित किया? एसईसीएल जो कोयला उत्खनन की सबसे पुरानी और अनुभवी सरकारी कंपनी है वह किसके दबाव में अब अडानी से खनन करवा रही है? जब केंद्र में यूपीए की सरकार थी और जयराम रमेश केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री थे तब देश के दर्जनों क्षेत्र जो अति महत्वपूर्ण जैव विविधता संपन्न माने गए उन्हें संरक्षित रखने नो गो एरिया घोषित किया गया था उसमें छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य और तमोर पिंगला का क्षेत्र भी था जहां से 10 किलोमीटर तक खनन गतिविधियां प्रतिबंधित की गई थी,

सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि कांग्रेस सरकार ने हसदेव में पर्यावरण स्वीकृति रद्द कर वन कटाई पर रोक लगाया था, विगत एक महीना के दौरान लाखों की संख्या में पेड़ काटे जा चुके हैं यहां पर कटाई के लिए आदेश और पर्यावरण स्वीकृति केंद्र की मोदी सरकार ने दिया है जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने इसे निरस्त करने की कार्यवाही की थी। 31 अक्टूबर 2022 को इस संदर्भ में छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अवर सचिव ने भारत सरकार के वन महानिरीक्षक को पत्र लिखकर परसा ओपन कास्ट कोल माइंस कोल उत्खनन पर प्रतिबंध लगाने तथा वन कटाई के प्रस्ताव को निरस्त करने कहा था। उक्त संदर्भ में विधानसभा से भी कांग्रेस की सरकार ने इस आशय का प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा है जिसमें आज तक मोदी सरकार ने अंतिम आदेश नहीं दिया है। छत्तीसगढ़ की जनता ने भाजपा पर भरोसा करके डबल इंजन की सरकार बनवाई है। भारतीय जनता पार्टी को सरगुजा संभाग के सभी सीटों पर निर्वाचित होने का अवसर मिला है। अब भाजपाई बताए कि सेंट्रल इंडिया का फेफड़ा कहे जाने वाले हसदेव अरण्य को की कटाई कब रोकेगी भाजपा सरकार?

अडानी के गुंडे खुलेआम घूम रहे ग्रामीणों को धमकाते

छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य में तमाम विरोधों के बाद पेड़ों की कटाई शुरू कर दी गई है। सूचना मिलने तक 20 हजार से ज्यादा छोटे-बड़े पेड़ों को काट दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस बल से भी ज्यादा पुलिस के संरक्षण में दस से ज्यादा स्कार्पियो में अडानी के गुंडे खुलेआम ग्रामीणों को धमकाते घूम रहे हैं। परसा और अन्य गांव के ग्रामीणों को उनके घरों में ही कैद कर दिया गया है। जंगल के पास मौजूद पत्रकार सुनील शर्मा ने बताया कि इलाके में दहशत का माहौल है । किसकी भी पत्रकार को अंदर जाने या फोटो खींचने की बिलकुल भी अनुमति नहीं दी रही है। कटाई का विरोध करने वालो की अंधांधुंद गिरफ्तारियां की जा रही हैं । उनका कहना है कि मैं खुद ही बड़ी मुश्किल से जान बचा कर वहां से आया हूँ। सुनील का कहना है कि घटना से दो दिन पहले ही क्षेत्र के सरपंचों को यहां के एक नेता द्वारा रायपुर ले जाने की खबर है। पूरे क्षेत्र में कर्फ्यू का माहौल है।

क्या है विवाद?

छत्तीसगढ़ की मौजूदा सरकार ने 6 अप्रैल 2022 को एक प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके तहत, हसदेव क्षेत्र में स्थित परसा कोल ब्लॉक परसा ईस्ट और केते बासन कोल ब्लॉक का विस्तार होगा। जंगलों को काटा जाएगा और उन जगहों को पर कोयले की खदानें बनाकर कोयला खोदा जाएगा। सरकार ने यह खदानें देश के सब से बड़े पूँजीपतियों में से एक अडानी को दिया है। स्थानीय लोग और वहां रहने वाले आदिवासी इस विरोध कर रहे हैं। पिछले 10 सालों में हसदेव के अलग-अलग इलाकों में जंगल काटने का विरोध चल रहा है। कई स्थानीय संगठनों ने जंगल बचाने के लिए संघर्ष किया है। विरोध के बावजूद कोल ब्लॉक का आवंटन कर दिए जाने की वजह से स्थानीय लोग और परेशान हो गए हैं। आदिवासियों को अपने घर और जमीन गंवाने का डर है।

जिंदगी के हर फलसफे पर गीत लिखने में माहिर थे शैलेन्द्र

जिंदगी के हर फलसफे और जीवन के हर रंग पर गीत लिखने वाले शैलेन्द्र के गीतों में हर मनुष्य स्वंय को ऐसे समाहित सा महसूस करता है जैसे वह गीत उसी के लिए लिखा गया हो।

पश्चिमी पंजाब के रावलपिन्डी शहर अब पाकिस्तान में 30 अगस्त 1923 को जन्में शंकर दास केसरीलाल उर्फ शैलेन्द्र अपने भाइयों मे सबसे बड़े थे। उनके बचपन में ही उनका परिवार रावलपिंडी छोड़कर मथुरा चला आया। जहां उनकी माता पार्वती देवी की मौत से उन्हें गहरा सदमा पहुंचा और उनका ईश्वर पर से सदा के लिये विश्वास उठ गया।अपने परिवार की धिसीपिटी परंपरा को निभाते हुये शैलेन्द्र ने वर्ष 1947 में अपने कैरियर की शुरूआत मुंबई में रेलवे में नौकरी से की।उनका मानना था कि सरकारी नौकरी करने से उनका भविष्य सुरक्षित रहेगा। इस समय स्वतंत्रता संग्राम अपने चरम पर था।रेलवे की नौकरी उनके स्वभाव के अनुकूल नहीं थी। ऑफिस में अपने काम के समय भी वह अपना ज्यादातर समय कविता लिखने मे हीं बिताया करते थे जिसके कारण उनके अधिकारी उनसे नाराज रहते थे।

इस बीच शैलेन्द्र देश की आजादी की लड़ाई से जुड़ गये और अपनी कविता के जरिये वह लोगों मे जागृति पैदा करने लगे। उन दिनों उनकी कविता जलता है पंजाब काफी सुर्खियों मे आ गयी थी। शैलेन्द्र कई समारोह में यह कविता सुनाया करते थे।गीतकार के रूप में शैलेन्द्र ने अपना पहला गीत वर्ष 1949 में प्रदर्शित राजकपूर की फिल्म बरसात के लिये बरसात में तुमसे मिले हम सजन लिखा था। इसे संयोग हीं कहा जायेगा कि फिल्म बरसात से हीं बतौर संगीतकार शंकर-जयकिशन ने अपने कैरियर की शुरूआत की थी। इसके बाद शैलेन्द्र .राजकपूर के चहेते गीतकार बन गये। शैलेन्द्र और राजकपूर की जोड़ी ने कई फिल्में एक साथ की। इन फिल्मों में आवारा,आह,श्री 420,चोरी चोरी,अनाड़ी,जिस देश में गंगा बहती है, संगम,तीसरी कसम, एराउंड द वर्ल्ड,दीवाना, सपनों का सौदागर और मेरा नाम जोकर जैसी कई फिल्में शामिल है।

राजकपूर के साथ शैलेन्द्र की मुलाकात एक कवि सम्मेलन के दौरान हुयी थी। राजकपूर को शैलेन्द्र के गाने का अंदाज बहुत भाया और उन्हें उसमें भारतीय सिनेमा का एक उभरता हुआ सितारा दिखाई दिया। राजकूपर ने शैलेन्द्र से अपनी फिल्मों के लिए गीत लिखने की इच्छा जाहिर की, लेकिन शैलेन्द्र को यह बात रास नही आयी और उन्होंने उनकी पेशकश ठुकरा दी । लेकिन बाद मे घर की कुछ

जिम्मेदारियों के कारण उन्होंने राजकपूर से दोबारा संपर्क किया और अपनी शर्तों पर हीं राजकपूर के साथ काम करना स्वीकार कर लिया।राजकपूर के अलावा शैलेन्द्र की जोड़ी निर्माता-निर्देशक विमल राय के साथ भी खूब जमी।शैलेन्द्र अपने कैरियर के दौरान प्रोग्रेसिव रायटर्स एसोसियेशन के सक्रिय सदस्य बने रहे। वह इंडियन पीपुल्स थियेटर (इप्टा) के भी संस्थापक सदस्यों में से एक थे। शैलेन्द्र को उनके गीतों के लिये तीन बार फिल्म फे र अवार्ड से सम्मानित किया गया।

शैलेन्द्र के सिने सफर में उनकी जोड़ी संगीतकार शंकर-जयकिशन के साथ खूब जमी और उनके बनाये गाने जबर्दस्त हिट हुये। शैलेन्द्र ने बूट पालिश,श्री 420 और तीसरी कसम में अभिनय भी किया था ।इसके अलावा उन्होनें फिल्म परख 1960 के संवाद भी लिखे थे।शैलेन्द्र ने वर्ष 1966 में तीसरी कसम का निर्माण किया लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसकी असफलता के बाद उन्हे गहरा सदमा पहुंचा उसके बाद उनके मित्रों ने उन्हें किसी प्रकार का सहयोग करने से इंकार कर दिया ।मित्रों की बेरूखी और फिल्म तीसरी कसम की असफलता के बाद उन्हें कई बार दिल का दौरा पड़ा।

13 दिसंबर 1966 को शैलेन्द्र ने राजकपूर को आर.के कॉटेज में मिलने के लिये बुलाया, जहां उन्होंने राजकपूर से उनकी फिल्म मेरा नाम जोकर के गीत जीना यहां मरना यहां को पूरा करने का वादा किया, लेकिन वह वादा अधूरा ही रहा और अगले ही दिन 14 दिसंबर 1966 को उनका निधन हो गया। इसे महज एक संयोग हीं कहा जायेगा कि उसी दिन राजकपूर का जन्मदिन भी था।...

रणबीर ने अगली फिल्म के लिए रोहित शेट्टी से मिलाया हाथ
'एनिमल' एक्टर की कॉप यूनिवर्स में एंट्री!

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर ने फिल्म 'एनिमल' से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। रणबीर कपूर की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया था। फिल्म 'एनिमल' के हिट होने के बाद अब फैंस को उनकी अगली फिल्म का इंतजार है। इसी बीच रणबीर कपूर एक तस्वीर वायरल हो रही है। इस तस्वीर में रणबीर कपूर बॉलीवुड की फिल्मों के जाने-माने डायरेक्टर रोहित शेट्टी के साथ दिखाई दिए। इस तस्वीर में रणबीर कपूर एकदम अलग ही लुक में नजर में आ रहे हैं। जिसके बाद मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जाने लगा है कि रणबीर कपूर रोहित शेट्टी की अगली फिल्म में नजर आ सकते हैं।

रणबीर कपूर की कॉप यूनिवर्स में हो सकती है एंट्री

रणबीर कपूर और रोहित शेट्टी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। इस वायरल हो रही तस्वीर में रणबीर कपूर पुलिस की वर्दी पहने दिखाई दिए। रणबीर कपूर की ये तस्वीर आते ही सोशल मीडिया पर छा गई है। इस फोटो के वायरल होने के बाद रणबीर कपूर की अगली फिल्म को लेकर भी चर्चा होने लगी है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जाने लगा कि रणबीर कपूर अब रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का हिस्सा बनने जा रहे हैं। रणबीर कपूर की इस तस्वीर को उनके फैंस जमकर शेयर कर रहे हैं। आपको बता दें कि ये तस्वीरें एक एड शूट के दौरान की हैं।

ये स्टार्स है रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का हिस्सा

बॉलीवुड के कई स्टार्स रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का हिस्सा बन चुके हैं। अभी हाल ही में दीपिका पादुकोण भी इसका हिस्सा बनी हैं। दीपिका पादुकोण के अलावा अजय देवगन, अक्षय कुमार और रणवीर सिंह जैसे स्टार्स भी रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का हिस्सा है। रणबीर कपूर की इस वायरल तस्वीर को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

भारतीय सिनेमा के रंग विदेशो में

अक्सर भारतीय फिल्मो, उनके निर्दशको, संगीतकारों पर विदेशी फिल्मों कि नकल का आरोप लगता रहेता है, लेकिन ऐसा सिर्फ भारतीय सिनेमा के साथ नहीं है कई विदेशी फिल्में भी है जो भारतीय फिल्मो कि यो तो फ्रेम नकल है या फिर उनसे प्रभावित, ऐसी ही कुछ विदेशी फिल्मो से हम आपका परिचय कराने जा रहे हैं प्रस्तुत है उसकी पहेली किश्त

27 वर्षीय जापानी युवा मोतोकि जब भारत पहुँचा तो भारतीय आबोहवा की महक के साथ तरह तरह के रीति-रिवाजों, संस्कारों की हवा भी उसकी नजरों से बहती हुई मस्तिष्क और हृदय की धमनियों मे बहने लगी. लगातार दस वर्षों के अध्ययन के पश्चात उसने पारम्परिक संस्कार विधियों पर फिल्म बनाने के बारे में सोचा. अंतत: परिणाम के रूप में बड़े पर्दे पर आई ''द डिपार्चर्स '' जो की जापान की लगभाग लुप्त प्राय: हो रही दाह संस्कार विधि नोकांशी पर आधारित थी और जिसने इस प्रथा को पुर्नजीवित करने में निर्णायक भूमिका अपनाई . फिल्म मे चरित्र एक दूसरे से ज्यादा बातचीत नहीं करते. उनकी अंतरंगता न कहने में ही होती है. फिल्म के दृश्यों में अंतिम विदा के दृश्य रिश्तों को पुर्नजीवित करते हैं नई जिन्दगी देते हैं दरअसल व्यवहारिक ईरानी जिन्दगी में भी कुछ ऐसा ही होता है. हम किसी भी रिश्ते को दिल के करीब तभी सबसे ज्यादा महसूस कर पाते हैं जब वे हमसे कभी न लौटने जितना दूर चले जाते हैं वर्ष 2008 में आई इस फिल्म के मुख्य नायक '' दाइजो '' की भूमिका स्वयं मोतोकी ने निभाई है. 81 वें अकादमी अवार्ड में इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषाई फिल्म का पुरस्कार मिला मोतोकी ने फिल्म से संबंधित दिए गए साक्षात्कारों में बताया कि भारत मे गंगा घाट पर देखे दाह संस्कारों से उन्हें इस फिल्म को बनाने की प्रेरणा मिली थी.

संगम (1964) – पर्ल हार्बर (2001)

1964 में भारतीय सिनेमा में हलचल मचने वाली राज कपूर द्वारा निर्देशित संगम दो दोस्तों , गोपाल और सुंदर , की कहानी है जो वक्त के अलग अलग हिस्सों में एक ही लड़की से प्यार करते हैं वर्ष 2001 में आई अमेरिकन फिल्म ''पर्ल हार्बर '' संगम से पूरी तरह प्रेरित है रैफ और डैनी दो दोस्त बचपन एक साथ ही बिताते हैं वे एक साथ कबाड़ के सामान में रखे हवाईजहाज पर चढ़कर हवाई जहाज पर चढ़ कर दुश्मन को मार गिराने का खेल खेलते है. यही खेल आगे चल कर दोनों का पेशा बन जाता है. वे दोनों वायुसेना मैं कर्नल बन जाते हैं तभी रैफ एवलिन नायिका से मिलता है और प्रेम भी करता है तभी रैफ को जापान द्वारा पर्ल हॉर्बर पर हमले के दौरान मिशन पर भेजा जाता है रैफ वापस नहीं आता है रस्ते में ही प्लेन क्रैश होने पर उसके मारे जाने की सूचना मिलती है ठीक संगम के सुन्दर के मारे जाने की सूचना की तरह इसके बाद डैनी और एवलिन की नजदीकियां बढ़ जाती हैं संगम के गोपाल और राधा के दृश्यों की तरह तब अचानक एक दिन रैफ वापस आ जाता है दोस्ती टूटती है लड़ाइयों के शोर में खामोशियां बढ़ जातीं हैंइस बार जापान के साथ युद्ध में रैफ और डैनी दोनों ही मिशन पैर जाते हैं जहाँ डैनी अपनी जान पर खेलकर रैफ को बचाता है मरते समय डैनी, रैफ से अपने और एवलिन के बच्चे का पिता बनने का वादा ले लेता है रैफ और एवलिन फिर एक हो जाते हैं संगम के सुन्दर और राधा की तरह

> फिल्म में शूटिंग के दौरान बैलों से लड़ते समय व्ही. शांताराम बुरी तरह घायल हो गए थे इसी प्रकार द डर्टी डजन में मेजर रीसमन को बिगड़ैल और फांसी की सजा का इंतजार कर रहे सेना के बारह सिपाही मिलते हैं

दो आँखें बारह हाथ (1957)
द डर्टी डजन (1967)

व्ही. शांताराम की क्लॉसिक भारतीय सिने इतिहास की मील का पत्थर फिल्म दो आँखें बारह हाथ बनने के दस साल बाद अमेरिकन फिल्म निर्देशक रॉबर्ट एल्ड्रिन ने उसी मूल कथानक पर द डर्टी डजन फिल्म बनाई एक फिल्म में बारह हाथ हैं तो दूसरी में बारह लोग सजायाफ्ता अपराधियों को सुधारकर समाज की मूल धारा में शामिल करने की कहानी को व्ही. शांताराम ने पूरी तरह जी कर बनाया था.

फिल्म के अंतिम दृश्य की शूटिंग के दौरान बैलों से लड़ते समय व्ही. शांताराम बुरी तरह घायल हो गए थे इसी प्रकार द डर्टी डजन में मेजर रीसमन को बिगड़ैल और फांसी की सजा का इंतजार कर रहे सेना के बारह सिपाही मिलते हैं उन्हें एक सीक्रेट मिशन के लिए इंतजार रीसमन के हवाले किया जाता है दोनों फिल्मों में फांसी की जगह सुधार की बात की गयी है दोनों ही फिल्मों अपने अपने देश की क्लॉसिक फिल्में बनीं

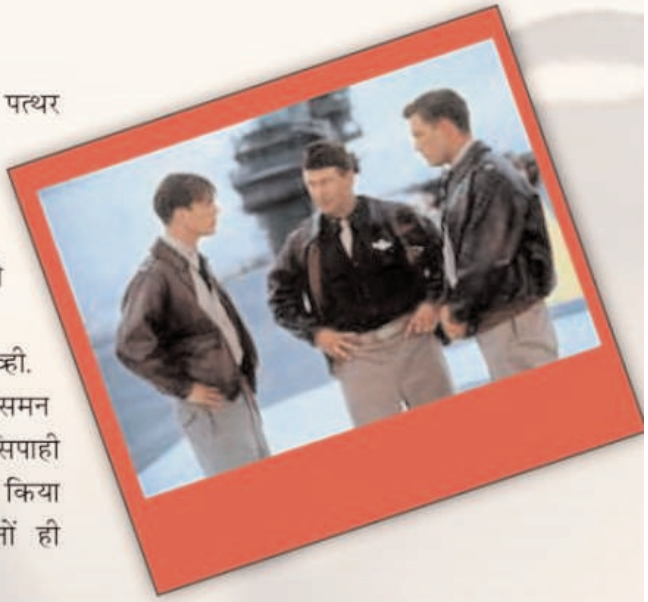

नदीम परमार

एक बाज... जो शहद खाता है!

गुलमोहर के पत्तों के पीछे जो दिख रहा है वह चील से बड़े आकार का ऐसा बाज है जो मधुमक्खी के छत्ते से शहद खाता है। अन्य बाजों के समान इसकी चोंच मजबूत नहीं को किसी बड़े पक्षी या खरगोश का शिकार कर चीड़फाड़ कर खा सके इसलिए ये शहद खाने के लिये बना है। इसे 'ओरियन्टल हनीबेजर्ड कहते हैं। मधुमक्खी के छत्ते के करीब यह कुछ समय बैठ कर टोह लेता है फिर चोच से छत्ते में डाल कर शहद चट करता हैं। मधुमक्खियां इसके इर्द गिर्द उड़ती है पर पंखों के कवच की वजह काट नहीं पाती। उनके लार्वा को नष्ट कर देता है या चट कर जाता है सही पता नहीं। इसकी फोटो बिलासपुर के मोहन भाटा में ली है। आमतौर पर यह अकेले ही दिखता है पेड़ या आकाश में मंडराते दिखता है।

पीएससी घोटाले की होगी सीबीआई जांच, युवाओं के न्याय : केदार गुप्ता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा पीएससी में हुए घोटाले की जांच सीबीआई से कराने के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि पीएससी भर्ती परीक्षा में हुए घोटाले को उजागर कर अब प्रदेश के नौजवान के साथ न्याय होगा। पीएससी जैसे पदों में अपने करीबी एवं परिवार के सदस्यों की भर्ती कर प्रदेश के युवाओं के साथ छल करने वालों खिलाफ जांच कर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का पद संभालते ही भूपेश बघेल ने राज्य में सीबीआई जांच जी सहमति वापस ले ली थी। सीबीआई को दूर रखने का मकसद यही था कि चाहे जितनी मनमानियां करने के बावजूद कांग्रेस के कारनामों से परदा न उठे। लेकिन पाप का घड़ा भरते ही उनका भांडा फूट गया।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता कहा कि कांग्रेस की सरकार में आते ही लगातार कई विभागों में भ्रष्टाचार हुए। यहां तक की शिक्षित नवयुवकों के द्वारा दी जाने वाली पीएससी की भर्ती परीक्षा पर भी भ्रष्टाचार किया जिससे छत्तीसगढ़ के होनहार नौजवानों को छत्तीसगढ़ और भारत देश का भविष्य संवारने में सहायक होते उनके साथ भी प्रदेश की भूपेश सरकार ने अन्याय किया। श्री गुप्ता ने कहा कि उस पार्टी और उस सरकार की मानसिकता और संवेदनहीनता किस स्तर की होगी जो अपने ही राज्य के होनहार गरीबा नौजवानों के हक पर डाका डालकर उसे रसूखदारों के परिवारों में बांट दे।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा कि धन की लालच में सत्ता का दुरुपयोग कर कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने पीएससी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में पदों की बंदरबांट की। भाजपा ने अब पीएससी घोटाले की सीबीआई से जांच करने का आदेश दे दिया है अब छत्तीसगढ़ के नौजवानों के साथ न्याय होगा। मोदी की गारंटी का पहिया अब आगे बढ़ता जाएगा। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचारियों एवं अपराधियों की जांच की जाएगी किसी भी दोषी को नहीं बख्शा जाएगा। छत्तीसगढ़ की जनता और नौजवानों ने भाजपा पर विश्वास किया है उस पर भाजपा खरी उतरेगी।

CGPSC
छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

इन नियुक्तियों के खिलाफ विधायक ननकी राम कंवर की याचिका

अभ्यर्थी	पद	रिश्तेदारी
नितेश	डिप्टी कलेक्टर	PSC अध्यक्ष टामन सिंह के बेटे
साहिल	डीएसपी	टामन सिंह के बड़े भाई के बेटे
निशा कोसले	डिप्टी कलेक्टर	टामन सिंह की बहु
दीपा अजगले आडिल	जिला आबकारी	अधिकारी टामन सिंह सोनवानी की भाई बहु
सुनीता जोशी	लेबर ऑफिसर	टामन सिंह सोनवानी की बहन की बेटी
सुमित ध्रुव	डिप्टी कलेक्टर	पीएसची सचिव के बेटे
नेहा खलखो	डिप्टी कलेक्टर	राज्यपाल के सचिव अमृत खलखो की बेटी
निखिल खलखो	डिप्टी कलेक्टर	राज्यपाल के सचिव अमृत खलखो की बेटे
साक्षी ध्रुव	डिप्टी कलेक्टर	डीआईजी ध्रुव की बेटी
प्रज्ञा नायक	डिप्टी कलेक्टर	कांग्रेस नेता के ओएसडी के रिश्तेदार की बेटी
प्रखर नायक	डिप्टी कलेक्टर	कांग्रेस नेता के ओएसडी के रिश्तेदार की बेटे
अनन्या अग्रवाल	डिप्टी कलेक्टर	कांग्रेस नेता की बेटी
शशांक गोयल	डिप्टी कलेक्टर	कांग्रेस नेता सुधीर कटियार का दामाद
भूमिका कटियार	डिप्टी कलेक्टर	कांग्रेस नेता सुधीर कटियार की बेटी
खुशबू बिजौरा	डिप्टी कलेक्टर	मंत्री के ओएसडी के साढ़ू की बेटी
स्वर्णिम शुक्ला	डिप्टी कलेक्टर	कांग्रेस नेता राजेन्द्र शुक्ला की बेटी
राजेन्द्र कुमार कौशिक	डिप्टी कलेक्टर	कांग्रेस नेता के बेटे
मीनाक्षी गनवीर	डिप्टी कलेक्टर	टामन सिंह सोनवानी के करीबी की बेटी

मूंग दाल पराठे से करें दिन की शुरुआत, स्वाद मिलेगा बेमिसाल...

दिन की टेस्टी और हेल्दी फूड के साथ शुरुआत करना चाहते हैं तो मूंग दाल से बना पराठा एक परफेक्ट रेसिपी हो सकती है. नाश्ते में बहुत लोग पराठा खाना पसंद करते हैं, यही वजह है कि पराठों की ब्रेकफास्ट के लिए लंबी फेहरिस्त है. आप अगर पराठे में कुछ नया आजमाना चाहते हैं तो इस बार मूंग दाल पराठा की रेसिपी बना सकते हैं. मूंग दाल पराठा न सिर्फ स्वाद से भरा होगा, बल्कि ये पोषण के लिहाज से भी काफी लाभकारी साबित होगा. मूंग दाल पराठा को बनाने में ज्यादा वक्त भी नहीं लगेगा. आप अगर नई डिशेस को बनाने और खाने का शौक रखते हैं तो मूंग दाल पराठा एक ऐसी रेसिपी है जिसे एक बार जरूर टेस्ट किया जा सकता है. इसका स्वाद आपको बार-बार बनाने पर मजबूर कर देगा. आइए जानते हैं मूंग दाल पराठा बनाने की आसान विधि.

मूंग दाल पराठा बनाने के लिए सामग्री

गेंहू का आटा- 2 कप

मूंग दाल- 1 कप

हल्दी पाउडर- 1/4 टी स्पून

धनिया पाउडर- 1 टी स्पून

गरम मसाला- 1/4 टी स्पून

हींग- 1/2 चुटकी

जीरा- 1/4 टी स्पून

लाल मिर्च पाउडर- 1/4 टी स्पून

तेल- 4 टेबल स्पून

हरा धनिया- 3 टेबल स्पून

हरी मिर्च- 2 बारीक कटी हुई

नमक- स्वादानुसार

मूंग दाल पराठा बनाने की विधि

स्वाद से भरा मूंग दाल पराठा बनाने के लिए सबसे पहले मूंग दाल को साफ करें और उसे 3-4 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रख दें. तय समय के बाद दाल को पानी से निकालकर मिक्सर में ट्रांसफर करें रौ सूखा दरदरा पीस लें. अब पिसी हुई दाल को एक बाउल में निकाल लें. इसके बाद एक बड़े बर्तन में आटा छान लें और उसमें चुटकीभर नमक डालकर मिक्स करें और थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए नरम लोचदार आटा गूंथ लें. इसके बाद आटे को सैट होने के लिए 20 मिनट ढककर रख दें.

अब एक कड़ाही में 2 चम्मच तेल डालकर गर्म करें. तेल गर्म होने के बाद उसमें जीरा, हींग डालकर भूनें. कुछ सेकंड बाद हल्दी, धनिया पाउडर और हरी मिर्च डाल दें. इसके बाद पिसी हुई मूंग दाल, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला और स्वादानुसार नमक डालकर मिश्रण को धीमी आंच पर सॉट करें. दाल अच्छी तरह से भुन जाने के बाद इसमें कटी हरी धनिया पत्ती डालें और ठीक ढंग से मिलाएं. पराठे के लिए स्टफिंग तैयार हो चुकी है.

अब आटे की समान अनुपात की लोइयां तोड़ लें और एक नॉनस्टिक तवे को गैस पर गर्म करने के लिए रख दें. एक लोई लें और उसे पूरी के आकार में बेल लें. इसके बाद मूंग दाल स्टफिंग को बीच में रखकर चारों ओर से बंद करें और फिर हाथों से दबाएं. इसके बाद पराठा बेलें. तवा गर्म होने के बाद मूंग दाल पराठा तवे पर डालकर सेकें. कुछ देर सेकने के बाद पराठे के किनारों पर तेल डालें और पराठा पलटें.

पोषक तत्वों से भरपूर हैं अरबी के पत्ते

हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए रामबाण

जिन लोगों को हाई बीपी की समस्या है, उनके लिए अरबी के पत्ते काफी फायदेमंद साबित हो सकते हैं। इन पत्तों में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है। जो हाई बीपी का स्तर सामान्य करने में मदद करता है। हाई बीपी के मरीज अरबी के पत्तों को डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं।

इम्युनिटी बढ़ाने में कारगर

स्वस्थ रहने के लिए इम्यून सिस्टम का मजबूत रहना बहुत जरूरी है। इम्युनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन-सी युक्त फूड्स खाने की सलाह दी जाती है। अरबी के पत्तों में विटामिन-सी की मात्रा अधिक होती है। आप अपनी डाइट में इन पत्तों को शामिल कर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकते हैं और कई बीमारियों से बच सकते हैं।

बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है

अरबी की पत्तियां पौष्टिक गुणों से भरपूर होती हैं। इनमें फैट की मात्रा कम होती है। ये पत्ते फाइबर और मेथियोनीन से भरपूर होते हैं, जो बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करते हैं।

आंखों के लिए फायदेमंद

अरबी के पत्तों में विटामिन-ए पर्याप्त होता है। यह आंखों को स्वस्थ रखने में काफी मददगार है। अगर आप इन पत्तों को अपनी डाइट में सीमित मात्रा में शामिल करते हैं, तो आंखों से जुड़ी बीमारी मायोपिया, मोतियाबिंद आदि से बच सकते हैं।

वजन कम करने में मददगार

अरबी के पत्ते वजन कम करने में भी मदद करते हैं। इनमें प्रोटीन की मात्रा बहुत अधिक और फैट की मात्रा कम होती है। आप वेट लॉस डाइट में भी अरबी के पत्तों को शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा ये पत्तियां कैल्शियम और पोटैशियम से भी भरपूर होती हैं, जो आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाती है।

अरबी की सब्जी कई लोगों को बहुत पसंद होती है। यह सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद मानी जाती है। इस सब्जी को बनाने के कई तरीके हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं, अरबी की तरह इसके पत्ते भी स्वाद से भरपूर होते हैं। इन पत्तों से स्वादिष्ट पकोड़े, साग, सब्जी आदि कई डिशेज बनाई जाती हैं। ये पत्ते न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाते हैं बल्कि शरीर को कई रोगों से भी बचाते हैं। अरबी के पत्तों में आयरन, विटामिन-सी और कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो आपको स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। तो आइए जानते हैं, इन पत्तों के फायदों के बारे में।

कुछ तो ख़ास है संविधान में?

▪ अरविंद कुमार यादव 'ग़दर'

संविधान अपनी विशेषताओं के कारण कुछ लोगों के लोगों की आँखों की किरकिरी बना हुआ है, इसीलिए बार-बार संविधान को बदलने की बात कौन लो हैं जो कर रहे हैं ? इस पर गहन चर्चा की जरूरत है, आइये डालते हैं एक नज़र...

- भारत्त के पूर्व न्यायाधीश और राज्यसभा सांसद रंजन गोगोई के द्वारा यह कहना कि केशवा नन्द भारती के केस को पढ़ने के बाद यह पता चलता है कि संविधान के मूल ढांचे के परिवर्तन पर चर्चा की जा सकती है।
- प्रधानमंत्री कार्यालय में आर्थिक सलाहकार विवेक देवराय ने भी संविधान पर प्रश्न खड़ा किया है। 15 अगस्त 2023 को एक दैनिक समाचार पत्र में लेख के माध्यम से बयान दर्ज कराया गया। भारतीय संविधान को बदलने की बात कही गई है और 2047 तक एक नए भारतीय संविधान की संरचना करने कि बात कही गयी हैं और साथ ही साथ यह भी कहा गया है कि भारतीय संविधान मे कुछ संशोधनों से काम नहीं चलेगा, हमे ड्राइंग बोर्ड पर वापस जाना चाहिए.

उपरोक्त लोग तो जिम्मेदार और संवैधानिक पदों पर थे लेकिन तमाम लोग और भी हैं जो अनर्गल उल्टी पुलटी टिप्पड़ियां भी करते रहते हैं। ऐसे लोगों की पड़ताल किये जाने पर पता चला की इनमें से ज्यादातर ऊँची जातियों के लोग या तो पंडे-पुजारी लोग हैं। जिनमें समता, स्वतंत्रता और बंधुता बढ़ने वाली भावना का नितांत अभाव दिखता है।

इनमें राम भद्राचार्य हों या बागेश्वर बाबा जैसे लोगों के अलावा ऐसे लोग भी शामिल हैं जिनका नाम लिया जाना भी समीचीन नहीं हैं। लेकिन महत्वपूर्ण ये है कि प्रधानमंत्री कार्यालय के महत्वपूर्ण अधिकारी की टिप्पणी पर प्रधानमंत्री की चुप्पी क्या उनकी सहमति तो नहीं है? क्या ये उसी तरह तो नहीं जैसे फ्रांस की क्रांति से उपजा नेपोलियन बीस सालों में ही फ्रांस की क्रांति का गला घोंट दिया था, लेकिन फ्रांस के लोग क्रांति का स्वाद चख चुके थे और फ्रांस ही नहीं पूरी दुनिया में समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का परचम अभी भी लहरा रहा है। अब जाने माने टिप्पणीकार रोहित यादव का मानना है कि कथित रूप से चाय बेचने वाला भारत के संविधान के द्वारा ही भारत का प्रधानमंत्री बना और भारत की लोकतान्त्रिक संस्थाओं पर कुठाराघात कर रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा ये कहना कि भारतीय समाज में अब केवल चार जातियां गरीब, युवा, महिलाएं एवं किसान हैं। **'गरीबी सबसे बड़ी जाति है'** जो इंडियन संविधान की भावनाओं के साथ क्रूर मजाक है। क्योंकि संविधान के शिल्पकार बाबा साहब भीम राव आंबेडकर की सबसे बड़ी चिंता जाति व्यवस्था थी और प्रधानमंत्री जी भी अपने को नीच जाति का होने की बात करते रहते हैं। इन्हें संविधान बदलने की बात पर खुलकर सामने आना चाहिए जाने माने चिन्तक दिलीप मंडल लिखते हैं कि "प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन बिबेक डेबरॉय को भारतीय संविधान से बहुत दिक्कत है।

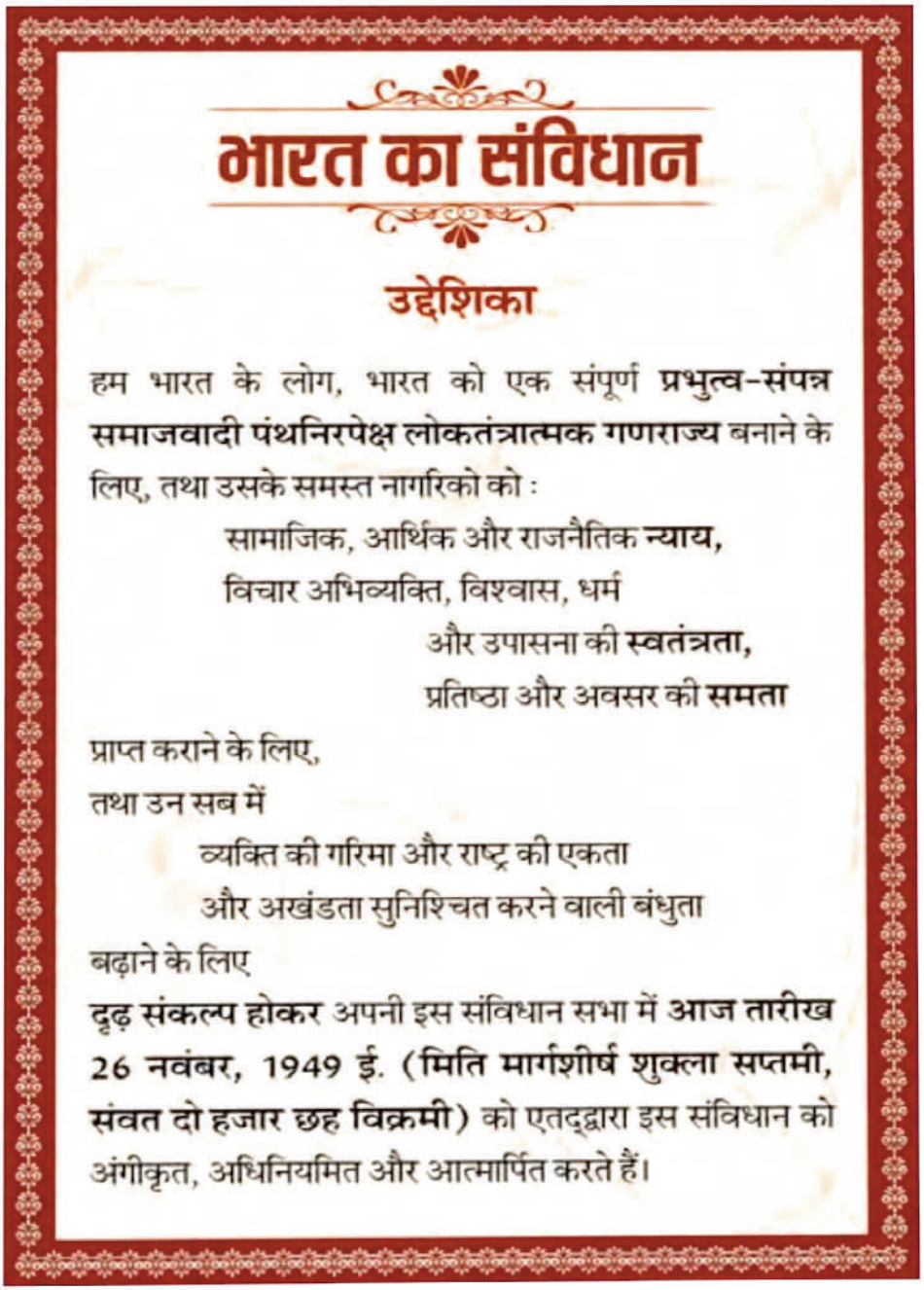

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण **प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिको को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**
विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में
व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता
और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता
बढ़ाने के लिए
दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में **आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी)** को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

संविधान को बचाने वाले लोग

Mayawati
@Mayawati

1. आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन बिबेक देबरॉय द्वारा अपने लेख में देश में नए संविधान की वकालत करना उनके अधिकार क्षेत्र का खुला उल्लंघन है जिसका केन्द्र सरकार को तुरन्त संज्ञान लेकर जरूर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि आगे कोई ऐसी अनर्गल बात करने का दुसाहस न कर सके। (1/2)

जब हमने पड़ताल की कि संविधान का विरोध करने वाले चंद मनुवादियों की तुलना में संविधान के साथ खड़े होने वालों की फ़ौज है।संविधान विरोधी ताकतों को चुनौती देने के लिए युवा संविधान जन जागरण यात्रायें निकल रहे हैं। देश भर में आये दिन संविधान को लेकर कुछ न कुछ कार्यक्रम होता रहता है संविधान को जन जन तक पहुंचने के के लिए राम लौट बौद्ध ने एक लाख घरों तक संविधान पहुँचाने के लिए संकल्पित हैं और वे तकरीबन 20 हज़ार घरों में संविधान पहुंचने में कामयाब भी हुए हैं। विवेक देबरॉय पर टिप्पड़ी करते हुए बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू पसाद यादव ने अपने X पर यहाँ तक लिखा कि लालू यादव ने ट्वीट कर कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी का कोई आर्थिक सलाहकार है बिबेक देबरॉय। वह बाबा साहेब के संविधान की जगह नया संविधान बनाने की वकालत कर रहे हैं। क्या प्रधानमंत्री की मर्ज़ी से यह सब कहा और लिखा जा रहा है? संवैधानिक संस्थाओं को समाप्त करने पर तुली मोदी सरकार अब संविधान पर हमला कर सीधा संविधान ही समाप्त करने की बात कहने लगी है।'

प्रस्तावना में उल्लेखित मुख्य शब्दों के अर्थः

प्रस्तावना संविधान के परिचय अथवा भूमिका को कहते हैं, भारतीय संविधान की प्रस्तावना संविधान का निचोड़ है। 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा प्रस्तावना में समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और अखंडता जैसे शब्दों को सम्मिलित किया गया।

हम भारत के लोग–

- इसका तात्पर्य यह है कि भारत एक प्रजातांत्रिक देश है तथा भारत के लोग ही सर्वोच्च संप्रभु है, अतः भारतीय जनता को जो अधिकार मिले हैं वही संविधान का आधार है अर्थात् दूसरे शब्दों में भारतीय संविधान भारतीय जनता को समर्पित है।

संप्रभुता–

- इस शब्द का आशय है कि, भारत ना तो किसी अन्य देश पर निर्भर है और ना ही किसी अन्य देश का डोमिनियन है। इसके ऊपर और कोई शक्ति नहीं है और यह अपने आंतरिक और बाहरी मामलों का निस्तारण करने के लिए स्वतंत्र हैं।

समाजवादी–

- समाजवादी शब्द का आशय यह है कि 'ऐसी संरचना जिसमें उत्पादन के मुख्य साधनों, पूँजी, जमीन, संपत्ति आदि पर सार्वजनिक स्वामित्व या नियंत्रण के साथ वितरण में समतुल्य सामंजस्य हो।

पंथनिरपेक्ष–

- 'पंथनिरपेक्ष राज्य' शब्द का स्पष्ट रूप से संविधान में उल्लेख नहीं किया गया था तथापि इसमें कोई संदेह नहीं है कि, संविधान के निर्माता ऐसे ही राज्य की स्थापना करने चाहते थे। इसलिए संविधान में अनुच्छेद 25 से 28 (धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार) जोड़े गए। भारतीय संविधान में पंथनिरपेक्षता की सभी अवधारणाएँ विद्यमान हैं अर्थात् हमारे देश में सभी धर्म समान हैं और उन्हें सरकार का समान समर्थन प्राप्त है।

लोकतांत्रिक–

- संविधान की प्रस्तावना में लोकतांत्रिक शब्द का इस्तेमाल वृहद् रूप से किया है, जिसमें न केवल राजनीतिक लोकतंत्र बल्कि सामाजिक व आर्थिक लोकतंत्र को भी शामिल किया गया है। व्यस्क मताधिकार, समाजिक चुनाव, कानून की सर्वोच्चता, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, भेदभाव का अभाव भारतीय राजव्यवस्था के लोकतांत्रिक लक्षण के स्वरूप हैं।

गणतंत्र–

- प्रस्तावना में 'गणराज्य' शब्द का उपयोग इस विषय पर प्रकाश डालता है कि दो प्रकार की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं 'वंशागत लोकतंत्र' तथा 'लोकतंत्रीय गणतंत्र' में से भारतीय संविधान के अंतर्गत लोकतंत्रीय गणतंत्र को अपनाया गया है।
- गणतंत्र में राज्य प्रमुख हमेशा प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से एक निश्चित समय के लिये चुनकर आता है। गणतंत्र के अर्थ में दो और बातें शामिल हैं।
  - पहली यह कि राजनीतिक संप्रभुता किसी एक व्यक्ति जैसे राजा के हाथ में होने के बजाय लोगों के हाथ में होती हैं।
  - दूसरी यह कि किसी भी विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग की अनुपस्थिति। इसलिये हर सार्वजनिक कार्यालय बगैर किसी भेदभाव के प्रत्येक नागरिक के लिये खुला होगा।

स्वतंत्रता–

- यहाँ स्वतंत्रता का तात्पर्य नागरिक स्वतंत्रता से है। स्वतंत्रता के अधिकार का इस्तेमाल संविधान में लिखी सीमाओं के भीतर ही किया जा सकता है। यह व्यक्ति के विकास के लिये अवसर प्रदान करता है।

न्याय–

- न्याय का भारतीय संविधान की प्रस्तावना में उल्लेख है, जिसे तीन भिन्न रूपों में देखा जा सकता है- सामाजिक न्याय, राजनीतिक न्याय व आर्थिक न्याय।
- सामाजिक न्याय से अभिप्राय है कि मानव-मानव के बीच जाति, वर्ण के आधार पर भेदभाव न माना जाए और प्रत्येक नागरिक को उन्नति के समुचित अवसर सुलभ हो।
- आर्थिक न्याय का अर्थ है कि उत्पादन एवं वितरण के साधनों का न्यायोचित वितरण हो और धन संपदा का केवल कुछ ही हाथों में केंद्रीकृत ना हो जाए।
- राजनीतिक न्याय का अभिप्राय है कि राज्य के अंतर्गत समस्त नागरिकों को समान रूप से नागरिक और राजनीतिक अधिकार प्राप्त हो, चाहे वह राजनीतिक दफ्तरों में प्रवेश की बात हो अथवा अपनी बात सरकार तक पहुँचाने का अधिकार।

समता–

- भारतीय संविधान की प्रस्तावना हर नागरिक को स्थिति और अवसर की क्षमता प्रदान करती हैं जिसका अभिप्राय है समाज के किसी भी वर्ग के लिए विशेषाधिकार की अनुपस्थिति और बिना किसी भेदभाव के हर व्यक्ति को समान अवसर प्रदान करने की उपबंध।

बंधुत्व –

- इसका शाब्दिक अर्थ है- भाईचारे की भावना। प्रस्तावना के अनुसार बंधुत्व में दो बातों को सुनिश्चित करना होगा। पहला व्यक्ति का सम्मान और दूसरा देश की एकता और अखंडता। मौलिक कर्तव्य में भी भाईचारे की भावना को प्रोत्साहित करने की बात कही गई है। ▪

P- पिछड़ा D- दलित A- अगड़ा, अल्पसंख्यक, आदिवासी?

लखनऊ में PDA साइकिल यात्रा

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने "अस्सी हराओ,भाजपा हटाओ" का नया नारा दिया है। आगामी लोकसभा चुनाव में 'भारतीय जनता पार्टी' को टक्कर देने के लिए कथित पिछड़े ,दलित ,अल्पसंख्यक ,अगड़े एवं आदिवासियों को पार्टी में जोड़ने की एक कवायद शुरू की है जिसका नाम उन्होंने

> "पीडीए नीति है जिसमें सभी वर्गों के लोग हैं पिछडे हैं, दलित है, अगडे भी हैं। सभी वर्ग के लोग हैं। जिनको अभी तक लाभ नहीं मिल रहा है। उपेक्षित लोग हैं यह सभी इकट्ठा होकर एक रणनीति के तहत सीढ़ी है।"
>
>
> शिवपाल सिंह यादव
> वरिष्ठ समाजवादी नेता

पी.डी.ए दिया है। यहां 'पी' का तात्पर्य पिछड़ा 'डी' का तात्पर्य दलित एवं 'ए' का तात्पर्य अल्पसंख्यक,अगड़ा और आदिवासियों से है।

एन.डी.ए. के सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास से लड़ने के लिए इसी फार्मूले के तहत लोकसभा चुनाव '2024' में 'इंडिया एलायंस' के साथ मिलकर भाजपा को चुनौती देने वाले हैं। उनका कहना है कि यह लड़ाई एन.डी.ए बनाम पी.डी.ए की है।

लोकसभा चुनाव में 'इंडिया एलायंस' को लेकर उनका यह मानना है कि जिस राज्य में जो भी विपक्षी दल जितने अधिक मजबूती से अपनी भागीदारी निभा रहें हैं उनको उसी आधार पर सीटों का बंटवारा होना चाहिए! विपक्षी एकता के लिए किये जा रहे प्रयासों के बारे में सपा का एकमात्र नारा है "अस्सी हराओ,भाजपा हटाओ।" 2017 के विधानसभा और 2019 के लोकसभा चुनाव में 'कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी' के साथ गठबंधन से जुड़े सवाल के जवाब में अखिलेश यादव कहते हैं कि 'समाजवादी पार्टी' हमेशा से ईमानदारी और मजबूती से गठबंधन के साथ रही है।

जाने माने सामाजिक चिंतक एवं लेखक फ्रैंक हुजूर कहते है कि "कुछ महीने पहले, अखिलेश यादव ने पिछड़ी जाति, दलित और मुस्लिम वोट बैंक को लक्ष्य करते हुए पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) नारा लॉन्च किया था। इसे उच्च जाति समुदायों की प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा जिन्होंने समाजवादी पार्टी पर उनकी अनदेखी करने का आरोप लगाया।

दबाव के कारण, अखिलेश ने अपनी अपील को व्यापक बनाने के लिए पीडीए में 'अगड़ा' (सवर्ण) और 'आधी आबादी' (महिला) को जोड़ा। इससे पता चलता है कि सपा प्रमुख दबाव में आ रहे हैं और मूल पीडीए सामाजिक न्याय के फोकस को कमजोर कर रहे हैं।"

अब क्रिसमस की पूर्व संध्या, 24 दिसंबर को ब्राह्मण सम्मेलन का आयोजन कर इस बात पर भ्रम पैदा करता है कि क्या पीडीए वास्तव में सामाजिक न्याय या सभी समुदायों के लिए खड़ा है। विरोधाभासी नारों से पिछड़ों और ऊंची जातियों दोनों को साधने की कोशिश वैचारिक स्पष्टता की कमी को दर्शाती है।

फ्रैंक हुजूरहुजूर कहते है- "अगर ऊंची जातियां सामाजिक न्याय के मुद्दे पर प्राथमिकता महसूस करती हैं तो सपा को ओबीसी, दलितों के अपने मुख्य निर्वाचन क्षेत्र को खोने का खतरा है। फ्लिप-फ्लॉप के बजाय सभी वर्गों को संतुलित करने वाली एक अच्छी तरह से परिभाषित सोशल इंजीनियरिंग दृष्टिकोण की आवश्यकता है।"

बदलते रुख ने अपने पारंपरिक पिछड़ी जाति के वोट बैंक पर ध्यान केंद्रित करते हुए मजबूत विकल्प प्रदान करने की सपा की क्षमता पर सवाल उठाए हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव से एक साल पहले, अखिलेश यादव की परशुराम मंदिर की बात ने ब्राह्मण तुष्टीकरण की ऐसी ही चर्चा पैदा कर दी थी। इसका उद्देश्य समुदाय से जुड़े परशुराम कार्ड खेलकर ब्राह्मण मतदाताओं को लुभाना था। हालाँकि, इसका अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ा क्योंकि लगभग 90% ब्राह्मणों ने फिर भी भाजपा को वोट दिया।

वे आगे कहते है कि इसके अलावा, विशेषकर हिंदी पट्टी राज्य उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों और ठाकुरों के बीच पौराणिक शत्रुता को देखते हुए, परशुराम मंदिर पर एकमात्र फोकस ने ठाकुर/राजपूत मतदाताओं को दूर कर दिया है।

पिछड़े-उन्मुख सामाजिक न्याय के साथ-साथ ऊंची जाति के हिंदुत्व की रणनीति अपनाने के अखिलेश के मिश्रित संदेश ने एसपी के पारंपरिक ओबीसी/दलित मतदाता आधार को भ्रमित कर दिया, जिसे समाजवादी दिग्गज मुलायम सिंह यादव और इंद्रधनुष जाति समूहों के उनके साथी नेताओं ने बहुत मेहनत से बनाया था। सामाजिक न्याय के पक्षधर होने का दावा करते हुए धार्मिक-जाति तुष्टिकरण का कार्ड खेलने से विरोधाभासी संकेत मिले। वास्तव में, विकास, शासन या वैचारिक आधार पर एक एकीकृत, सुसंगत आख्यान अधिक प्रभावी हो सकता है।

कुल मिलाकर, हिंदुत्व-सतही रणनीति के साथ अखिलेश का प्रयोग उल्टा पड़ गया क्योंकि इसने विभिन्न जाति वर्गों को भाजपा के खिलाफ एकजुट करने के बजाय अलग-थलग कर दिया। पूर्व सीएम को भविष्य के लिए सबक लेना चाहिए था। ▪

रंजना यादव
Email : yadavranjna48@gmail.com

पुस्तक समीक्षा-निषाद समाज का वृहत इतिहास

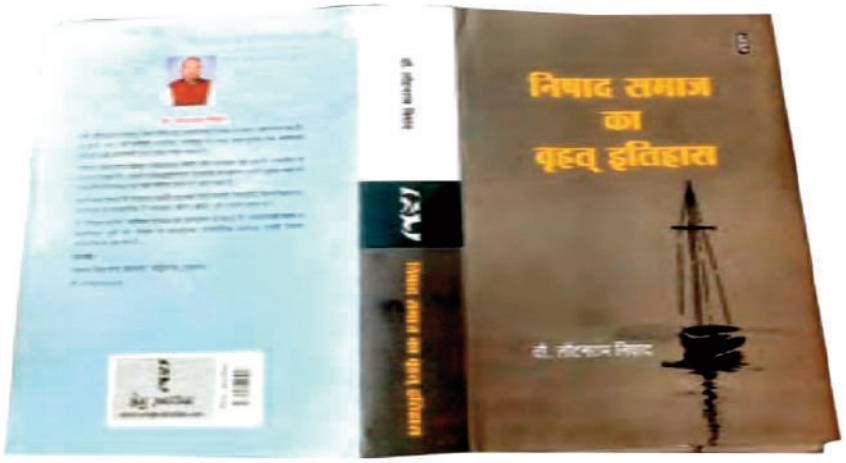

किताब - निषाद समाज का वृहत इतिहास
लेखक - चौ. लौटन राम निषाद
समीक्षक - रोहित यादव
मूल्य - 1800

इतिहास वह प्रेरक शक्ति है जिससे मानव प्रेरणा लेकर वर्तमान से संघर्ष किया करता है अपने भविष्य को सँवारता है। दुर्गम पथ को सुगम बनाता है। अपने अस्तित्व के सुरक्षा कवच का निर्माण करता है।

'निषाद जाति का वृहत् इतिहास' भारतीय संस्कृति और इतिहास की उन प्राचीनतम परतों की पड़ताल है, जिन्हें आर्य संस्कृति के नीचे दबा दिया गया है। या यूँ कहें कि सांस्कृतीकरण की प्रक्रिया के दौरान हड़प लिया गया है। इसकी पुष्टि सुनीति कुमार चटर्जी, कुबेरनाथ राय, रांगेय राघव, आचार्य चतुरसेन सहित विदेशी मूल के अनेक ख्यातिनाम लेखकों/इतिहासकारों के अलावा उन धर्म- ग्रन्थों से भी होती है, जिन्हें आज भारतीय संस्कृति का आधार माना जाता है।

सुनीति कुमार चटर्जी के अनुसार जिसे आज भारतीय संस्कृति के नाम से जाना जाता है, उसका 70 प्रतिशत हिस्सा आग्नेय जातियों की देन है। भारत में निषाद उस जाति-समूह की सबसे बड़ी कड़ी रहे हैं। अपनी पुस्तक 'इण्डोआर्यन एण्ड हिन्दी' में उन्होंने बताया है कि में आग्नेय लोग आदिम रूप से खेती-बाड़ी करते थे, बीस-बीस करके गिनती करते थे, हिन्दी में 'कोड़ी', बंगाली में 'कुड़ी' या 'कुरी' जैसे शब्द इसी से निकले हैं। उन्होंने ही चावल और शाक-सब्जियों की खेती की शुरुआत की। आधुनिक भारतीय सभ्यता और संस्कृति का पर्याय बन चुके अनेक शब्द जैसे 'कुदाल', 'हरिद्रा' (हल्दी), अदरक, बैंगन, कद्दू (लौकी, कुम्हड़ा), पान, सिन्दूर जैसे शब्द आग्नेय (निषाद जाति समूह) भाषाओं की ही देन हैं। यही नहीं, 'गंगा' शब्द भी उन्हीं की जनभाषा से आया है, मूल शब्द 'खोंग 'कियांग' हैं। नदियों को देवी की तरह पूजना भी उन्होंने ही सिखाया। मातृदेवी की पूजा के जनक भी वही माने गये।

निषाद वंश की जातियाँ इन मनोवैज्ञानिक तथ्यों की अनभिज्ञता के परिणामस्वरूप न तो अपने को बचाने का इन्तजाम कर पायी हैं; और न ही अपने पिछड़ापन को दूर करने हेतु संघर्षशील हो पायी हैं। इस अभाव को दूर करने के लिए निषाद नस्लीय जाति के क्रमवत् इतिहास की खोज करना परिस्थितिजन्य समस्या है। अस्तु इन्हीं परिस्थितियों के दृष्टिगत हमने यह प्रयास किया है। इस क्रम में मुझे अथक परिश्रम के साथ अन्वेषण व्रत को पूर्ण करने में 30 वर्ष खपाने पड़े हैं। वैसे जोड़-तोड़ करके कुछ भी लिखा जा सकता है। किन्तु प्रमाणोंएवं साक्ष्यों के अभाव में कोई भी इतिहास सजीव नहीं बन सकता है।

सेतु प्रकाशन के अंतर्गत छपी यह पुस्तक 13 खंडो में विभक्त है जिसमे 95 चैप्टर हैं। 622 पृष्ट की यह पुस्तक इतिहास और समाजशास्त्र के शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। पुस्तक की खूबी है कि घोषित इतिहास की शैली में न लिखी होने के बावजूद यह अपने एक-एक शब्द के लिए इतिहास की प्रामाणिकता लिये हुए है। उसी के बल पर यह पाठकों के मानस में जगह बनाएगी; तथा भारतीय समाज और संस्कृति के अनछुए पहलुओं पर व्यापक विमर्श का रास्ता तैयार करेगी। ▪

लेखक परिचय

चौ. लौटनराम निषाद उत्तर प्रदेश के राजनीतिक हलके में जाना-पहचाना नाम है। 8 मार्च 1971 को सरौली, नन्दगंज, गाजीपुर में इनका जन्म हुआ। स्मृतिशेष बनताराम चौधरी और सरस्वती देवी इनके पिता-माता हैं।

चौधरी लौटनराम निषाद सामाजिक न्याय और सरोकार को अपनी राजनीति के केन्द्र में रखते हैं। अपनी प्रतिबद्धतापरक राजनीति के कारण इन्होंने मुख्य धारा की राजनीति के समक्ष कई बार जटिल प्रश्न भी खड़े किये हैं। लेखक चौधरी लौटनराम निषाद, लेखक और पत्रकार के साथ-साथ सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र के अति सक्रिय कार्यकर्ता हैं। वे अपनी बेबाक राजनीतिक टिप्पणियों के लिए भी जाने जाते हैं। चौधरी लौटनराम निषाद की प्रारम्भिक शिक्षा गाँव में ही हुई है। इन्होंने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी से पत्रकारिता में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। ये 'निषाद ज्योति' मासिक पत्रिका का सम्पादन भी करते हैं। सामाजिक न्याय से सम्बन्धित मुद्दों पर लेखन व सामाजिक राजनीतिक-समीक्षा इनकी विशेष अभिरुचि के क्षेत्र रहे हैं।

सब्बो जाँच | सब्बो इलाज | सब्बो ऑपरेशन

डिजिटल X-RAY

24 घंटे आपातकालीन सुविधा

बिलासपुर की सुविधा आपके नगर पामगढ़ में

शिवम हॉस्पिटल

मल्टीस्पेशलिटी एवं ट्रामा सेंटर

फिजियोथेरेपी एवं लकवा निदान केन्द्र

चिकित्सा विभाग

1. डायबिटिज (शुगर), ब्लड प्रेशर (BP), थायराइड।
2. लकवा, ब्रेन हेमरेज, पैरालिसिस।
3. विषपान, सर्पदंश, बिच्छु दंश।
4. हड्डी फ्रेक्चर का ऑपरेशन व प्लास्टर।
5. हृदय संबंधित बिमारी।
6. शिशु रोग का इलाज।
7. स्त्री रोग।
8. एनिमिया एवं खून की कमी किडनी से संबंधित बिमारियों का इलाज।
10. पीलिया एवं पेट से संबंधित बिमारियों का इलाज।
11. मस्तिष्क ज्वर व गंभीर मलेरिया।
12. दमा, निमोनिया, टी.बी., सांस लेने में तकलीफ।
13. कमर दर्द, गर्दन दर्द, घुटने का दर्द।

सुविधाएँ

1. ई.सी.जी. (हृदय रोग जाँच)
2. ई.सी.यु.
3. अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर
4. एक्सीडेंट एवं ट्रामा युनिट
5. सेंट्रल लाईन ऑक्सीजन
6. नेब्युलाइजर
7. इनफ्यूजन पंप
8. प्राइवेट ए.सी. वार्ड/जनरल वार्ड (एयर कूलर)
9. प्रशिक्षित नर्सिंग स्टॉफ
10. फिजियोथेरेपी एवं रिहैबिलिटेशन सेंटर

सर्जरी विभाग

1. बवासीर (पाईल्स)
2. हर्निया
3. हाइड्रोसिल
4. अपेंडिक्स
5. लाईपोमा (गांठे)
6. पथरी (स्टोन)
7. पेट रोग संबंधी ऑपरेशन
8. स्तन में गांठ का ऑपरेशन
9. बच्चेदानी का ऑपरेशन

हमारे विशेषज्ञ

डॉ. श्रीश मिश्रा
हड्डी रोग विशेषज्ञ

डॉ. दुष्यंत कुमार
एम.डी. मेडिसिन

डॉ. संतोष उद्देश
एम.एस. जनरल सर्जरी

डॉ. राजेश्वरी उद्देश
स्त्री रोग विशेषज्ञ

पंकज पेट्रोल पंप के पास, बजरंग कॉम्पलेक्स के सामने, मेन रोड, पामगढ़ (छ.ग.)

7024303050
8269870787

अनिश इंटरप्राईजेस
& इलेक्ट्रानिक्स

शादी-विवाह के सभी समान अब एक ही छत के नीचे प्राप्त करें-

जैसे- टी.वी., फ्रीज, अलमारी, कुलर, दिवान, पलंग, मिक्सी, ए.सी., वाशिंग मशीन, वाटर हिटर

पंखा, कुर्सी, सोफा सेट इत्यादि समान उचित दर पर प्राप्त करें।

Godrej SAMSUNG LG VOLTAS

जांजगीर रोड **पामगढ़**

9340406720, 9827910396